(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बिग बॉस 15 के ओटीटी ...8

गुरुवार, 19 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 243 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

महंगाई के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का उत्तर प्रदेश विधानसभा से बहिर्गमन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसूत्र सत्र के दूसरे दिन बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने महंगाई के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। उसके पहले सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मंहगाई के मुद्दे पर सपा, कांग्रेस और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के सदस्यों की नारेबाजी के कारण लगभग 75 मिनट तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी। बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी और कांग्रेस की दल नेता आराधना मिश्र ने कार्य स्ध्थगन प्रस्ध्ताव लाकर विधानसभा की कार्यवाही रोकने एवं मंहगाई के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। चौधरी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार में घनघोर, कमरतोड़, जानलेवा मंहगाई है और हर चीज मंहगी हुई है। इस सरकार में केवल लोगों का जान मार देना सस्ता है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती मंहगाई से जनता में भयंकर आक्रोश है जो कभी भी भयावह रूप ले सकता है, इसलिए सदन की कार्यवाही रोककर इसपर चर्चा कराई जाए। चौधरी ने दवा, पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस के दामों की वृद्धि का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया। आराधना मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश की संपूर्ण जनता मंहगाई से त्रस्त है और लोगों को घर चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में और कोई विकास भले न हुआ हो लेकिन, मंहगाई का विकास खूब हुआ है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मौतें हुई तो श्ध्मशान घाट पर लोगों ने शव जलाने के लिए दस गुना मंहगी लकड़ी खरीदी। आराधना ने भी मंहगाई के आंकड़े पेश करते हुए सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा कराने की मांग की। विपक्षी सदस्यों को जवाब देते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड काल में योगी सरकार ने जितने भी मरीज थे, सभी का निशुल्क उपचार कराया और मुख्ध्यमंत्री योगी आदित्ध्यनाथ ने सबके जीवन रक्षा की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पेट्रोल–डीजल की कीमतें अन्ध्तर्राष्ट्रीय बाजार से निर्धारित होती हैं और उत्ध्तर प्रदेश में जयपुर (राजस्थान), आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की अपेक्षा पेट्रोल–डीजल की कीमतें कम हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों की मांग को बेबुनियाद बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से प्रस्ताव को स्वीकार न करने का अनुरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कार्यस्थगन प्रस्ताव अस्ध्वीकार करते ही सपा और कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गये। इसके पहले सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मंहगाई के मामले को लेकर सपा और कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुये अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए। जिस कारण अध्यक्ष ने पहले 40 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित की और बाद में इसे 35 मिनट के लिए और बढ़ाकर बारह बजकर बीस मिनट तक के लिये स्थगित कर दिया गया। बुधवार को सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही सपा और कांग्रेस के सदस्यों ने मंहगाई के मुद्दे पर अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी शुरू कर दी। नेता विपक्ष ने कहा कि मंहगाई चरम पर है, खाद्य सामग्री, डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की मंहगाई से जनता त्राहि–त्राहि कर रही है। चौधरी के इतना कहते ही सपा के सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए। कांग्रेस के सदस्य भी वहां आकर नारेबाजी करने लगे। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के दल नेता ओमप्रकाश राजभर भी अपने दल के सदस्यों के साथ अध्यक्ष के आसन के सामने आ गये और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मंहगाई का राज्य सरकार से कोई संबंध नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "आप लोगों का रंगारंग कार्यक्रम हो गया हो, तो सदन चलने दे"। विपक्षी सदस्य हालांकि नारेबाजी करते रहे। इसके बाद दीक्षित ने ग्यारह बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही 40 मिनट के लिये स्थगित कर दी। बाद में इसे और 35 मिनट और बढ़ाकर बारह बजकर बीस मिनट तक के लिये स्थगित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 17 अगस्त से शुरू हुआऔर यह 24 अगस्त तक चलेगा।

बिहार में पंचायत चुनाव का ऐलान, 11 चरणों में होगी वोटिंग

बिहार में पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। कुल 11 चरणों में बिहार में पंचायत चुनाव होंगे। सबसे खास बात यह है कि इस बार का पंचायत चुनाव ईवीएम मशीन के जरिए होगा। 24 सितंबर को पहले पेज की वोटिंग होगी जबकि आखरी पेज की वोटिंग 12 दिसंबर को होगी। नीतीश कैबिनेट ने पंचायत चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के तहत सबसे पहले उन जिलों में चुनाव होंगे जहां बाढ़ की समस्या नहीं है। बाढ़ से प्रभावित जिलों में आखिरी चरणों में चुनाव कराए जाएंगे। ग्राम पंचायत के विभिन्न पदों के लिए 11 चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण–24 सितंबर, दूसरा– 29 सितंबर, तीसरा–8 अक्टूबर, चौथा–20 अक्टूबर, पांचवा–24 अक्टूबर, छठा– 3 नवंबर, सांतवा– 15 नवंबर, आठवां– 24 नवंबर, नौवां– 29 नवंबर, 10वां– 8 दिसंबर और 11 वां 12 दिसंबर 2021 को होगा। आपको बता दें कि 6 पदों के लिए चुनाव होने हैं। इनमें मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, वार्ड सदस्य, सरपंच और पंच के चुनाव होंगे।

अफगानिस्तान से भारतीयों को वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी केंद्र सरकार : सिंधिया

शाजापुर (मप्र)। अफगानिस्तान में तालिबान के फिर से सत्ता में आने के मद्देनजर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केंद्र सरकार वहां से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए 'वंदे भारत मिशन' की तरह सभी प्रयास करेगी। गौरतलब है कि पिछले साल कोविड–19 महामारी के प्रकोप के बाद नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के निलंबन के बाद विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए भारत सरकार द्वारा वंदे भारत मिशन चलाया गया था। सिंधिया अपनी 'जन आर्शीवाद यात्रा' के तहत मंगलवार शाम को मध्यप्रदेश के शाजापुर पहुंचे थे। उन्होंने देर रात पत्रकारों से कहा, ''भारत सरकार एअर इंडिया या भारतीय वायु सेना के विमानों से, जैसे भी संभव होगा अपने नागरिकों को अफगानिस्तान से वापस लाएगी। जैसा हमने वंदे भारत मिशन में किया था।'' सिंधिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने गत शुक्रवार को अफगानिस्तान से अपने नागरिकों की निकासी शुरू की थी। निकासी की यह प्रक्रिया तीन दिनों तक जारी रही। लेकिन सोमवार की सुबह भारत से एक उड़ान काबुल के लिए जाने वाली थी तब वहां हवाई अड्डे पर गोलीबारी के बाद नोटेम (नोटिस टू एयरमेन, इसके जरिये काबुल के ऊपर का पूरा एयरस्पेस बंद कर दिया गया था) का नोटिस प्राप्त हुआ। इसलिए सोमवार को निकासी प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि सोमवार देर रात से सरकार प्रयासों में जुटी रही और बाद में भारतीय वायुसेना का एक विमान मंगलवार को काबुल गया और भारतीय नागरिकों को वापस लाया। उड्डयन मंत्री ने कहा, ''हम अफगानिस्तान से अपने सभी नागरिकों को वापस लाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगें। हमने पहले भी वंदे भारत मिशन में ऐसा किया था।'' मध्यप्रदेश के देवास में मंगलवार सुबह अपनी जन आर्शीवाद यात्रा शुरू करने के बादसिंधिया देर शाम को शाजापुर पहुंचे। इन यात्राओं के जरिए केंद्र सरकार में नव नियुक्त मंत्री लोगों तक पहुंच रहे हैं और केंद्र की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बता रहे हैं। सिंधिया के अलावा केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल ने भी मंगलवार को ग्वालियर जिले का दौरा किया।

जनता के लिए उत्तर प्रदेश का अनुपूरक बजट उम्मीदों का कम, दिल दुखाने वाला ज्यादा :मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को पेश अनुपूरक बजट को बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने राज्य की जनता के लिए उम्मीदों का कम व दिल दुखाने वाला ज्यादा बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, "उप्र विधानसभा में आज पेश अनुपूरक बजट राज्य की विभिन्न संकटों में घिरी गरीब व मेहनतकश जनता के लिए उम्मीदों का कम व दिल दुखाने वाला ज्यादा। अगर उप्र सरकार, तमिलनाडु की तरह, पेट्रोल की कीमत तीन रुपये कम कर देती तो करोड़ों लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत जरूर मिल जाती।" उन्होंने कहा, "वैसे भाजपा सरकार ने जिस प्रकार से अंधाधुंध वादे व घोषणाएं की हैं उसके अनुसार बजट का सही प्रबंध नहीं होने से वे कागजी घोषणाएं ही बनकर रह जाएंगी जबकि बसपा सरकार में घोषणाओं से पहले उसके लिए वित्तीय व्यवस्था जरूरी थी। यही असली फर्क है बसपा व अन्य में।" उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए बुधवार को विधानसभा में 7301.52 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अनुपूरक बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह 7301.52 करोड़ रुपये का बजट है जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित पांच लाख 50 हजार करोड़ रुपये के वार्षिक बजट का 1.33 फीसद है।

भाजपा की 'जन आशीर्वाद यात्रा' तीसरी लहर का निमंत्रण, संजय राउत का बयान

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि 'जन आशीर्वाद यात्रा' तीसरी लहर का निमंत्रण है। विभिन्न राज्यों में केंद्रीय मंत्री यह यात्रा कर रहें हैं। यहां संवाददाताओं से बातचीत में राउत ने कहा कि उन्होंने भाजपा से धैर्य रखने को कहा है। राज्य सभा सदस्य ने दावा किया, ''जन आशीर्वाद यात्रा तीसरी लहर को निमंत्रण देना है। भाजपा यह जानबूझ कर रही है।'' केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद इसमें शामिल भारती पवार, कपिल पाटिल और भागवत कराड इस सप्ताह की शुरुआत से राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोगों से संपर्क स्थापित और हाल के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर उनका आभार प्रकट करने के लिए 'जन आशीर्वाद यात्रा' कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को देश के शीर्ष पांच मुख्यमंत्री की सूची में एक मीडिया संगठन द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में स्थान मिलने से जुड़े सवाल पर राउत ने कहा, ''भाजपा ओपिनियन पोल को खारिज करने की कोशिश कर रही है क्योंकि इस सूची में भाजपा के एक भी मुख्यमंत्री का नाम नहीं है।'' उन्होंने पूछा, ''क्यों इस सूची में एक भी भाजपा का मुख्यमंत्री शामिल नहीं है?'' राउत ने कहा कि अगर सर्वेक्षण के नतीजे उनके पक्ष में होते तो उनके पार्टी कार्यकर्ता 'ढोल' बजाते और उत्सव मनाते। शिव सेना के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, '' हम भी कुछ आतिशबाजी करेंगे।''उन्होंने उम्मीद जताया कि आने वाले समय में ठाकरे देश के शीर्ष मुख्यमंत्री बनेंगे।

सुनंदा की मौत के मामले में न्याय हुआ

मुझे कई निराधार आरोप झेलने पड़े:शशि थरूर

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने अपनी पत्नी सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में अदालत आरोपमुक्त किये जाने के बाद बुधवार को कहा कि उनके साथ न्याय हुआ है, हालांकि उन्हें निराधार आरोपों का सामना करना पड़ा। दिल्ली की एक अदालत ने थरूर को उनकी पत्नी सुनंदा पुष्कर की यहां एक होटल में हुई मौत के मामले में बुधवार को आरोपमुक्त कर दिया। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। थरूर ने न्यायाधीश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते साढ़े सात साल 'प्रताड़ना' में बीते और यह फैसला 'बड़ी राहत' लेकर आया है। इस फैसले के बाद थरूर ने एक बयान जारी कर कहा, ''मैं न्यायाधीश गीतांजलि गोयल जी का उनके फैसले के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं... इस फैसले से उस दुःस्वप्न की परिणति हुई जिससे मुझे अपनी पत्नी सुनंदा पुष्कर के निधन के बाद गुजरना पड़ा।'' थरूर के मुताबिक, ''मुझे कई निराधार आरोप झेलने पड़े और मीडिया की ओर से भी बदनामी का सामना करना पड़ा, लेकिन मुझे न्यायपालिका में पूरा विश्वास था। मेरे रुख की आज : बहरहाल, तथ्य यह है कि न्याय हुआ है और हमारा पूरा परिवार को सुनंदा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेगा।'' उन्होंने अपने वकीलों का धन्यवाद किया। सुनंदा पुष्कर 17 जनवरी 2014 की रात शहर के एक लग्जरी होटल के एक कमरे में मृत मिली थीं। दंपति होटल में ठहरे हुए थे क्योंकि उस समय थरूर के आधिकारिक बंगले का नवीनीकरण किया जा रहा था।

तेलों की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए मोदी मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला, अब दाम तय करेगी सरकार !

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। जिसमें दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके बारे में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाम तेल के कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि भारत सरकार ने आज दो निर्णय लिए है। पाम तेल के कच्चे माल का दाम केंद्र सरकार तय करेगी। इसके साथ ये भी निर्णय किया गया है कि अगर बाजार में उतार चढ़ाव आया और किसान की फसल का मूल्य कम हुआ तो जो अंतर की राशि है वो केंद्र सरकार डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान करेगी।

उन्होंने कहा कि खेती के सामग्री में जो पहले राशि दी जाती थी उस राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में लोग इंडस्ट्री लगा सके इसके लिए इंडस्ट्री को भी 5 करोड़ रुपए की सहायता देने का निर्णय लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले पाम तेल की रोपण सामग्री के लिए अनुदान 12,000 रुपए प्रति हेक्टेयर दिया जाता था अब इसे बढ़ाकर 29,000 रुपए प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है। आज पाम तेल की खेती लगभग साढ़े 3 लाख हेक्टेयर में हो रही है ये आने वाले दिनों में 10 लाख हेक्टेयर तक हो जाएगी। गौरतलब है कि देश में तेल की मांग को पूरा करने के लिए सरकार को दूसरे देशों से आयात करना पड़ता है। देश में महज 2.4 करोड़ टन सालाना खाद्य तेल का उत्पादन होता है। लेकिन मोदी सरकार ने खाद्य तेल का उत्पादन बढाने के लिए 11,040 करोड़ रुपए का राष्ट्रीय मिशन शुरू करने का निर्णय लिया है।

बनारस रेलवे स्टेशन मालगाड़ी के बेपटरी होने से 5 डिब्बे दुर्घटनाग्रस्त हो गये

पूर्वोत्तर रेलवे जोन के अंतर्गत आने वाले बनारस रेलवे स्टेशन के उत्ध्तरी छोर पर मंगलवार रात एक मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्ध्त होने से रेलवे के अधिध्कारिध्यों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में कई अधिध्कारी मौके पर पहुंच गये आधिध्कारिध्क बयान में बताया गया है किध बनारस यार्ड में वाराणसी जं से आने वाली (अप बी सी एन) मालगाड़ी के रिसेप्शन के समय पाँच कोच पटरी से उतर गये। इसके कारण बनारस–वाराणसी जं अप लाइन ब्लाक हो गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम राम आसरे पांडेय के अनुसार बनारस रेलवे स्ध्टेशन के प्ध्लेटफॉर्म नंबर 1 के उत्ध्तरी छोर के पास से गुजर रही मालगाड़ी के सामने अचानक एक भैंसा आ गया, जिध्सके बाद ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया, इससे उसके पांच डिध्ब्ध्बे पलट गये। जिनमे से 3 बोगियाँ बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा इतना भयंकर हुआ की बोगियों के पाहियों के परखच्चे उड़ गए। वही मुख्य लाइन होने के कारण स्टेशन से अप लाइन से ट्रेनों का आवागमन भी पूरी तरह से बाधित हो गया। ब्रेक के झटके के कारण मालगाड़ी के आगे की बोगियाँ आपस में जोरदार आवाज के साथ टकराते हुए बेपटरी हो गई। हादसे के बाद आस पास के लोग और स्टेशन पर खड़े यात्रियों में अफरातफरी मच गई

पहली बार गर्भवती हुई महिला को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लेने के लिए बैंक खाते का आधार से लिंक होना जरूरी

बैंकों के विलय के चलते योजना के लाभ से वंचित महिलाएं खाते को कराएँ अपडेट

हरदोई। पहली बार गर्भवती होने वाली महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य देखभाल व उचित पोषण प्रदान करने के उद्देश्य से जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना के तहत ६ ानराशि सीधे गर्भवतीध्धात्री के खाते में भेजी जाती है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सूर्यमणि त्रिपाठी ने बताया–जनपद में अब तक कुल 93,691 महिलायें इस योजना के तहत पंजीकृत हैं।इस योजना का लाभ पाने के लिए जरूरी है कि बैंक खाता आधार से लिंक होना चाहिए।वर्तमान में कई राष्ट्रीयकृत बैंकों का एक दूसरे में विलय हो गया है,जिसके कारण लाभार्थियों का खाता आध ाार से लिंक नहीं हो पा रहा है। इस कारण जिले में 10,525 गर्भवती महिलाओं के खाते में पैसा भेजने में दिक्कत आ रही है। जिला कार्यक्रम समन्वयक सच्चिदानंद मिश्र ने बताया–ऐसी महिला लाभार्थी जो योजना के लाभ से वंचित हैं वह तुरन्त ही अपने बैंक की शाखा में जाकर खाते से आधार को लिंक कराएँ और इस योजना का लाभ लें।इसके अलावा अगर लाभार्थी को कोई दिक्कत आ रही है या उसे सहायता की जरूरत है तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के पी.एम. एम.वी.वाई सेल (कक्ष संख्या 28) या नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या पीएमएमवीवाई के जिला समन्वयक 7905393724 से अथवा स्टेट हेल्पलाइन नम्बर 7998799804 पर भी संपर्क कर सकती हैं।विभाग द्वारा हर गर्भवती को इस योजना के तहत पंजीकृ त करने का प्रयास किया जा रहा है।इस योजना का आवेदन फॉर्म भरने के लिए आशा या एएनएम से मदद ली जा सकती है या घर बैठे ू चउउअल.बेंम. दपब.पद पर लॉग इन कर स्वयं आवेदन किया जा सकता है।

श्री सच्चिदानंद ने बताया–प्रथम बार गर्भवती महिला का पंजीकरण कराने के 150 दिन के भीतर फॉर्म ए,180 दिन के भीतर फॉर्म बी और बच्चे के जन्म के बाद उसका टीकाकरण चक्र पूरा होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र के साथ फॉर्म सी भरकर अपने पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी) पर जमा कर पीएमएमवीवाई की तीनो किश्तों का लाभ ले सकती है।जिला कार्यक्रम समन्वयक ने बताया– प्रसव चाहे सरकारी स्वास्थ्य इकाई में हुआ हो या निजी,लाभ सभी को मिलता है लेकिन पंजीकरण सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर ही होना चाहिए।पंजीकरण के लिए गर्भवती व पति का आधार कार्ड,गर्भवती की बैंक पासबुक की फोटो कॉपी,मातृ–शिशु सुरक्षा कार्ड (एमसीपी कार्ड) जरूरी है।गर्भवती का बैंक खाता संयुक्त नहीं हो ना चाहिए।अधिक जानकारी के लिए राज्य स्तर से जारी किया गया हेल्पलाइन नम्बर – 7998799804 है इस नम्बर पर कॉल करके सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधि ाकारी हरदोई में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सेल में सम्पर्क कर सकते हैं। यह योजना पूर्णतया निःशुल्क है इस योजना के लाभ हेतु किसी भी प्रकार के शुल्क का कोई भी प्राविधान नहीं है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में पैनल अधिवक्ता व मध्यस्थगण के साथ बैठक

हरदोई।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अलका पाण्डेय ने बताया कि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिनांक 11.09.2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में पैनल अधिवक्ता व मध्यस्थगण के साथ बैठक की गई । बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सजामन्दी के आधार पर मुकदमों का निस्तारण कराये जाने हेतु चर्चा हुई । उन्होने बताया कि 11.09.2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में (1) .दांडिक शमनीय मामले (2) एन आई एक्ट (3 मोटर दुर्घटना दावा परिवहन मामले भी शामिल हैं (4) वैवाहिक वाद ६ परिवार न्यायालय के मामले (5) श्रम विवाद से संबंधित मामले जिसमें नीति के अनुसार बिना पारिश्रमिक के पुनः नियोजन के मामले जिसमें औद्योगिक श्रमिकों के मजदूरी तथा लाभों के मामले (6) भूमि अधिकरण मामलों तथा औद्योगिक बोर्ड ओ 0 एन 0 जी 0 सी रेलवे से संबंधित भूमि अधिग्रहण से संबंधित वाद तथा उनसे संबंधित निष्पादन वाद (7) दीवानी न्यायालय से संबंधित वाद जिसमें किराएदारी , बैंक बसूली , इजमेंट राइटवाद से संबंधित वर्ण वसूली ट्रिब्यूनल के बाद (8) राजस्व वाद (9) मनरेगा (10) विद्युत पानी व बिल से संबंधित वाद व विद्युत चोरी (11) सेल्स टैक्स इनकम टैक्स इनडायरेक्ट टैक्स रेवेन्यू से संबंधित व अन्य कमर्शियल से संबंधित टैक्स (12) सर्विस मैटर से संबंधित वाद (13) वन अधिनियम से संबंधित मामले (14) कैंटोनमेंट बोर्ड से संबंधित मामले (15) रेलवे क्लेम से संबंधित मामले (16) आपदा क्षतिपूर्ति से मामले (17) अपील दांडिक , सिविल एवं प्रकीर्ण वाद मूल वाद याचिकाएं मोटर दुर्घटना दावा अपील (18) व 2 लाख से कम अमाउंट वाले 138 एन 0 आई 0 एक्ट के मुकदमे तथा अन्य सभी आच्छादित मामले जो आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराए जाएंगे । साथ ही पैनल अधिवक्ताओ को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन मामलों आपको निःशुल्क पैरवी करने हेतु नियुक्त किया जाता है उनमें विधिवत व नियमानुसार कार्यवाही करें क्योकि निःशुल्क अधिवक्ता के लिए आवेदन वही करते है जो लोग असहाय गरीब व जरूरतमन्द होते है और सभी अधिवक्ताओ को समय से कार्यविवरण उपलब्ध कराये जाने हेतु दिशा निर्देश भी दिये । इस अवसर पर पैनल अधिवक्तागण व मध्यस्थगण आदि मौजूद रहे।

गीली मेहंदी रोई होगी छुपकर घर के कोने में: हरिओम पवार

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की तीसरी पुण्यतिथि पर हुआ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

अयोध्या। भारत रत्न पूर्व प्रध ानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय कवि संगम द्वारा आयोजित कृष्णा पैलेस परिसर में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और अवध क्षेत्र के प्रभारी अमरपाल मौर्य, नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बृजेंद्र सिंह तथा दिगंबर अखाड़ा के महंत सुरेश दास ने दीप प्रज्वलन कर किया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता मणिराम दास छावनी के उत्तराधि ाकारी महंत कमल नयन दास ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद विनय कटियार उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन से पूर्व आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा नेता अशोक सिंह ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले विशिष्ट जनों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से इंजीनियर जे एन तिवारी श्री महीप सिंह डॉक्टर एच बी सिंह डॉ अभय सिंह डॉ अंजू लता श्रीवास्तव डॉ एसके पाठक मदन मोहन त्रिपाठी मनोज श्रीवास्तव अयोध्या के पूर्व जिला अधिकारी बी पी मिश्रा श्री राम वल्लभा कुंज के उत्तराधि ाकारी राजकुमार दास डॉ मनोज चतुर्वेदी पितांबरा पीठ दतिया महंत रामदास ज्ञान प्रकाश मिश्रा श्रीमती रीता खत्री सहित 75 विभूतियां सम्मिलित हुए। सम्मान समारोह को ब्लाक प्रमुख अभिषेक सिंह सौरभ सिंह राजीव सिंह ने कार्यक्रम के निदेशक निरंकार सिंह के नेतृत्व में संपन्न किया। सम्मान समारोह के पश्चात अति विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे पूर्व राज्यसभा सदस्य विनय कटियार ने अपने संबोधन में पंडित अटल बिहारी वाजपेई को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी कटियार जी ने इस समारोह को अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया कार्यक्रम के संयोजक भाजपा नेता अशोक सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराते हुए कहा कि राष्ट्रीय कवि संगम राष्ट्र के प्रति समर्पित कवियों का एक समूह है जिसके द्वारा आज कवि शिरोमण पंडित अटल बिहारी वाजपेई को कब सम्मेलन से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन अयोध या महोत्सव न्यास के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री हरीश श्रीवास्तव ने किया। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल ने कवियों को आमंत्रित करते हुए उनको राष्ट् के प्रति समर्पित होने का आवाहन किया। कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी की जिला प्रभारी पाद्म सेन चौधरी, जिला अध्यक्ष संजीव सिंह महानगर अध यक्ष अभिषेक मिश्रा विधायक श्रीमती शोभा सिंह चौहान गोरखनाथ बाबा डॉ अमित सिंह चौहान जिलाधिकारी अनुज झा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश पांडे बादल कमला शंकर पांडे डॉक्टर बांके मणि त्रिपाठी पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी मथुरा तिवारी आचार्य रामदेव लव कुश श्रीवास्तव नाथ बक्स सिंह जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह सुध ीर सिंह मुन्ना सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ आगरा से पधारी कवियत्री रुचि चतुर्वेदी ने मां वीणा पायनी की वंदना से किया। जनपद के नवोदित कवि अरुण द्विवेदी ने अयोध्या की धरती पर राम जी की कविता से शुभारंभ कर अपने वाणी के माध्यम से कर्तव्यों की पावन गाथा के कुछ अंश सुनाता हूं कवि वरुण श्रद्धा अटल को सादर शीश झुकाता हूं से पंडित अटल बिहारी वाजपेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। ओज के कवि हरिओम पवार ने जब अपनी कविता का पाठ प्रारंभ किया तो दर्शक झूमने लगे। शहीदों को नमन करते हुए हरिओम पवार ने पढ़ा गीली मेहंदी रोई होगी छुपकर घर के कोने में ताजा काजल छूटा होगा चुपके चुपके रोने में जब बेटे की अर्थी आई होगी सूने आंगन में शायद दूध उतर आया हो बूढ़ी मां के दामन में । पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने अपनी कविताओं से दर्शकों को खूब हंसाया। जब भी घुसो हो घर में मुंह लटका कर घुसो जिससे पत्नी को न लगे कि पति हाथ से निकल गया है। वही सुदीप भोला ने अपने पैरोडी गीतों से दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया।

माया बुआ गुस्से में लाल लाल रे योगी बाबा पूछा था का हाल–चाल है। कवियों में योगेंद्र शर्मा अशोक बत्रा प्रियंका राय श्रीकांत श्री मोहम्मद फखरुद्दीन अशरफ ने अपने काव्य पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ओज के कवि शिव कुमार व्यास ने पटेल के जीवन पर आधारित कविता जब पड़ी तो दर्शकों में देशभक्ति की भावना हिलोरे मारने लगी। कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम के आयोजक अशोक सिंह ने सभी अतिथियों व कवियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

11 सितम्बर 2021 को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत

बहराइच । बाँसगांव संदेश। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती शिखा यादव ने बताया कि आगामी 11 सितम्बर 2021 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में जनता को अधिकाधिक लाभ दिलाये जाने के उद्देश्य से एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के दृष्टिगत अध्यक्षध्जनपद न्यायाध ीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र एवं प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्नोडल अधिकारी, लोक अदालत, राजेश कुमार–प्रथम के निर्देशानुसार सिविल कोर्ट सभागार में सिटी मजिस्ट्रेटध्नोडल अधिकारी, कलेक्ट्रेट, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद तथा अन्य के साथ आयोजित बैठक में निर्देश दिये गये कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 11 सितम्बर 2021 में सुनिश्चित कराया जाय। साथ ही सभी अधिकारियों को पिछले राष्ट्रीय लोक अदालत से अधिक संख्या में वादों का निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में किये जाने की अपेक्षा की गयी। बैठक के दौरान यह भी निर्देश दिया गया कि समस्त अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखे कि लोक अदालत में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कोविड–19 के रोकथाम एवं बचाव हेतु जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। बैठक के दौरान समस्त अधिकारियों से लोक अदालत को सफल बनाने के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रदान किये गये। इससे पूर्व एल0डी0एम0, जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबन्धकों एवं प्राविधि ाक स्वयं सेवकों के साथ आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 11 सितम्बर 2021 की भव्य सफलता हेतु बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में किये जाने के भी निर्देश दिये गये है।

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाएं होंगी सम्मानित

बहराइच । बाँसगांव संदेश। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए मिशन शक्ति फेज–1 व 2 की भांति वृहद रूप से मिशन शक्ति फेज 03 के तहत 21 अगस्त 2021 को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल आयोजन के उद्देश्य से जिलाधि ाकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक का संचालन करते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह में बताया कि मिशन शक्ति फेज–3 के तहत जनपद मुख्यालय पर 21 अगस्त 2021 को आयोजित होने वाले वृहद कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 75 महिलाओं को सम्मानित किया जायेगा। इस सम्बन्ध में दी गयी व्यवस्था के अनुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से (महिला चिकित्सक व नर्स आदि), महिला सुरक्षा क्षेत्र से (महिला पुलिसध्पी.आर.डी.ध होमगार्ड), महिला ग्राम प्रधानध सदस्य व नगरीय क्षेत्र के निर्वाचित वार्ड सदस्य महिलायें, स्वरोजगार क्षेत्र में कार्य करने वाली महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यध्अध्यक्ष, ऑगनबाड़ीध्आशा बहुओं में से प्रत्येक कटेगरी से 10–10 महिलाओं, शिक्षा क्षेत्र से (बेसिकध माध्यमिकध्उच्च शिक्षा प्रत्येक से 05–05 शिक्षिकाएं) कुल 15 एवं तथा बहादुरीध्शौर्य में विशेष योगदान करने वाली तथा अन्य क्षेत्रों में कार्य करने वाली 05–05 उत्कृष्ट महिलाओं को पुरस्कृत किये जाने के निर्देश शासन स्तर से प्राप्त हुए है।

जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार महिलाओं का चयन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियॉ ससमय पूर्ण कर ली जाएं। बैठक के दौरान कोविड से मृतक कर्मचारियों के आश्रितों की नियुक्ति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी निर्देश दिया कि मृतक आश्रितों को तत्काल सेवायोजित किया जाय।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी प्रदीप कुमार यादव, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ गंगवार आईएएस, नानपारा के राम आसरे वर्मा, कैसरगंज महेश कुमार कैथल, महसी के एस.एन. त्रिपाठी, मोतीपुर (मिहींपुरवा) के ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, जिला विकास अधिकारी राजेश कुमार मिश्र, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, उपायुक्त एन.आर.एल.एम. संजय सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी उमाकान्त पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी अनन्त प्रताप सिंह, महिला थानाध्यक्ष मंजू द्विवेदी, जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.पी. सिंह सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

विधान सभा चुनाव को लेकर एक्टिव मोड में भाजपा

जनप्रतिनिधि से लेकर कार्यकर्ता सभी बनेंगे पन्ना प्रमुखः अमरपाल मौर्या

अयोध्या। विधानसभा चुनाव 2022 को देखते हुए भाजपा एक्टिव मोड में आ गई है। पार्टी कार्यालय सिविल लाइन में अवध ा क्षेत्र के प्रभारी व प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्या ने अयोध्या विध ान सभा के सभी मंडल अध्यक्ष, प्रभारी तथा शक्ति केन्द्र संयोजकों, प्रभारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होनें बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती तथा पन्ना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर पदाधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उन्होनें कहा कि सक्षम बूथ – सक्रिय बूथ ही चुनाव जीतने का मूलमंत्र है। बूथ दल की नींव के समान है नींव मजबूत होना अति आवश्यक है। पन्ना प्रमुखों की चुनाव जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लक्ष्य 2022 में जनप्रतिनिधि से लेकर कार्यकर्ता तक सभी को पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी दी जाएगी। एक सप्ताह चलने वाले बूथ विजय अभियान की शुरूवात 23 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा की जा रही है। जिसमें बूथ समिति का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन प्रमुखों की नियुक्ति की जा रही है। सभी सत्यापन प्रमुख अपने–अपने बूथ समितियों का सत्यापन करेंगे। 21 सदस्यीय बूथ समिति में बूथ के सामाजिक समीकरण का ध यान रखा जाए। निष्क्रिय पदाधि ाकारियों को पुनः एक्टिव करना प्रमुख लक्ष्य होगा। प्रत्येक बूथ पर स्मार्ट फोन धारक, मोटरसाइकिल चलाने वाले तथा बूथ पर काम करने वाले 5–5 कार्यकर्ता होने चाहिए। महानगर जिला प्रभारी पद्मसेन चौधरी ने कहा मजबूत बूथ से विजय प्राप्त की जा सकती है। 23 अगस्त से चलने वाले बूथ सत्यापन अभियान में सभी बूथ का सत्यापन कार्यकताओं द्वारा किया जाए। निष्क्रिय बूथ पदाधिकारियों को एक्टिव किया जाय। तथा सभी की जिम्मेदारियां तय की जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव में मिली विजय से कार्यकर्ता उत्साह में है। जनता के सहयोग व आर्शीवाद से 2022 में पार्टी की अभूतपूर्व विजय प्राप्त होगी। महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्र ने कहा बूथ समिति से लेकर पन्ना प्रमुखों को एक्टिव कर सभी मंडल अध्यक्ष, प्रभारी व शक्ति केन्द्र के संयोजक व प्रभारी चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। महानगर के सभी पदाधिकारी अपनी–अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार लक्ष्य 2022 के लिए कमर कस कर तैयार रहे। इससे पूर्व क्षेत्र प्रभारी अमरपाल मौर्या ने श्याम प्रसाद मुखर्जी तथा पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। मंडल अध यक्षों, प्रभारियों शक्ति केन्द्र के प्रभारी व संयोजक से परिचय प्राप्त किया। सभी से उनके यहां बूथों की संख्या, एक्टिव बूथ तथा श्रेणीवार बूथों के विषय में जानकारी हासिल की। इस दौरान पूर्व महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, आलोक सिंह रोहित, प्रतीक श्रीवास्तव, अरविन्द सिंह, शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, तिलकराम मौर्या, राजू सिंह, महानगर के सभी मंडलो के अध यक्ष व प्रभारी, शक्ति केन्द्र के प्रभारी व संयोजक मौजूद रहे।

रोजगार मेला 26 को

बहराइच । बाँसगांव संदेश। प्राचार्य आईटीआई प्रदीप अग्निहोत्री ने बताया कि राजकीय औध्द्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बहराइच, उ. प्र. कौशल विकास मिशन एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आईटीआई परिसर नानपारा रोड बहराइच में 26 अगस्त 2021 को रोजगार मेला प्रस्तावित है, जिसमें कुल 06 कम्पनियां मुख्यतः मदरशन सूमी सिस्टम लि., इन्टास फार्मास्युटिकल्स लि., पीपीएपी इन्डस्ट्रीज लि., टायर मैन्युफैक्चरिंग प्लान्ट आदि के प्रतिभाग करने की सम्भावना है। श्री अग्निहोत्री ने बताया कि सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत आईटीआई एवं कक्षा 08 से लेकर स्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थी रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी 26 अगस्त 2021 को प्रातः 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बहराइच के परिसर में अपने समस्त अंकपत्र एवं प्रमाणपत्रों की स्वाप्रमाणित छायाप्रति, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

भूगोल बंट सकता है अवधारणा नहीं: मिथिलेश नंदिनी शरण

सिंधु संस्कृति एवं सनातन जीवन मूल्य विषय पर हुई संगोष्ठी

अयोध्या। 1947 में भारत का भूगोल बँटा था किंतु अवधारणा नहीं। सिंध का भू–भाग पाकिस्तान को मिला तो क्या उसकी अवध ारणा भी उसे मिल गई? भूगोल बँट सकता है अवधारणा नहीं। यह प्रश्नात्मक विचार श्री अनादि पंचमुखी महादेव मंदिर, गुप्तारघाट के आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने व्यक्त किए हैं। वे डॉ० राममनोहर लोहिया अवध ा विश्वविद्यालय में संचालित अमर शहीद संत कँवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित सिंधु संस्कृति एवं सनातन जीवन मूल्य विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने प्रश्न पूछा कि क्या सिंध का भू–भाग उतना ही था जो सरहद के उस पार पाकिस्तान के पास है और उसे स्वयं ही स्पष्ट भी किया कि जब हिंदुस्तान और हिंदुत्व की बात होगी तो उसकी परिभाषा सिंध से ही बनेगी। सिंध के बिना हिंद की परिकल्पना की ही नहीं जा सकती क्योंकि भारत की ऋषि परंपरा सिंध और सिंधु से ही अवधारित होती है। आचार्य श्री मिथिलेश ने कहा कि सिंधु ही मूल संस्कृति है और यह संस्कृति तब तक नष्ट नहीं हो सकती जब तक उस पर विश्वास कायम है।

विश्वास खत्म होने पर संस्कृति नष्ट होती है। उन्होंने मंदोदरी, मारीचि और विभीषण का रावण में विश्वास खत्म होने से उसके नाश हो जाने के कथानक से इसे स्पष्ट किया। उन्होंने एक और बात कही कि संस्कृति की प्रतिष्ठा से पहले स्वयं से पूछें कि मैं अन्यों से किस प्रकार भिन्न हूँ। इसका उत्तर ही सनातन सिंधु संस्कृति को प्रतिष्ठित करेगा। आचार्य श्री ने अपने व्याख्यान में कहा कि सिंधी समाज ने जीवित रहने का मूल्य विभाजन की कसौटी पर कस कर चुकाया है, किंतु अब वे संस्कृति की नहीं समाज के अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति के क्षरण से समाज भी नहीं बच सकता। सिंधियों ने भौतिक सम्पदा तो प्राप्त कर ली किंतु सांस्कृतिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने में पीछे रह गए हैं। कार्यक्रम की अध यक्षता अखिल भारतीय साहित्य परिषद, महानगर इकाई के संरक्षक प्रो० लक्ष्मीकांत सिंह ने की। अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक प्रो० आर० के० सिंह ने अभ्यागतों का स्वागत एवं आचार्य श्री का परिचय कराया। संयोजन एवं संचालन अध्ययन केंद्र के मानद सलाहकार ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी सरल ने किया। कार्यक्रम के अंत में हरीशंकर सफरी वाला और विश्वप्रकाश रूपन की शंकाओं को आचार्य श्री ने समाधान किया। इस आयोजन में प्रो० राजीव गौड़, डॉ० दिनेश प्रताप सिंह, विनीत सिंह, डॉ० मुकेश वर्मा, डॉ.राजेश सिंह, डॉ० जर्नादन उपाध्याय, सिंधी समाज के गणमान्य सन्नी वीरानी, राजकुमार मोटवानी, लक्ष्य टेकचंदानी, संतोष मेहता, संजय, शालिनी राजपाल, साक्षी साधवानी, मोहन तिवारी, अरूण सिंह, आशीषकुमार जायसवाल, अमनविक्रम सिंह, अनीता देवी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने की छापेमारी

बहराइच । बाँसगांव संदेश। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र के निर्देश के क्रम में रक्षाबन्धन पर्व के अवसर पर खाद्य पदार्थो में अपमिश्रण पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से अभिहित अधिकारी विनोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनन्त स्वरूप, राजेन्द्र प्रसाद, डा. विश्राम के सचल दल द्वारा कोतवाली नानपारा अन्तर्गत राजापुरवा, नईबस्ती, नानपारा में खाद्य कारोबार कर्ता नफीश पुत्र रहीश निवासी ग्राम व पोस्ट गायघाट के प्रतिष्ठान पर छापेमारी की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के दौरान भण्डारित लगभग 26.05 कुंटल मूल्य लगभग 02 लाख 65 हजार की विभिन्न संदिग्ध मिष्ठान मिले। जिसमें कलाकन्द, छेना रस्गुल्ला, कराची हलुआ, सोनपपड़ी, मिल्क केक सहित पांच नमूने संग्रहित कर संदिग्ध मिठाईयों को अभिग्रहित कर नष्ट कराया गया। अभिहित अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि इसके अतिरिक्त मटेरा चौराहे पर मटेरा स्वीट्स एण्ड फेमिली रेस्टोरेण्ट से खोया तथा गिरधारी की दुकान से बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधि ाकारी अमरेश कुमार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राघवेन्द्र प्रताप वर्मा, एस.पी.एन. सिंह, डा. रामतेज के सचल दल ने जरवल कस्बा में स्थित रोज गार्डेन स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेण्ट, प्रोफेसर रईश अहमद पुत्र अली हामिद के प्रतिष्ठान पर छापेमारी की कार्यवाही की गयी। जहां पर बर्फी चॉदी वर्क, छेना, काजूखीरा मिठाई के तीन नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। जांच परिणाम प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

डॉ सरफराज अंसारी ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ स्थित डॉ अंसारी हॉस्पिटल के सर्जन मोहम्मद सरफराज अंसारी ने क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श दिया है। बुद्धवार को बभनी चौराहे पर लगाये गये स्वास्थ्य शिविर में लगभग 300 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर निरूशुल्क दवाइयों के साथ डॉक्टरों से परामर्श का लाभ लिया है।निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बभनी चौराहे से सटे आधा दर्जन से अधिक गाँव भपसी, भटमला, बनगवा, डबरा, लमुईया, भैंसहवा आदि के लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया है। यही कारण है डॉ सरफराज अन्सारी अपने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

की वहज से लगातार सुर्खियों में है। विदित हो इसके पहले की वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर हजारों लोगों का उपचार कर चुके है।डॉ अंसारी हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि शिविर में मरीजों की ईसीजी, शुगर, बीपी और वजन आदि की जांच कर उन्हें दवाइयां दी गई बभनी क्षेत्र के लोगों से काफी सहयोग भी मिला। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चले शिविर में 280 लोगों ने अपनी निशुल्क जांचें कराईं और मुफ्त दवाइयां प्राप्त की। इस दौरान डॉ अदील, डॉ रहमत अली नेता व समाजसेवी अलताफ हुसैन, अमीरुल्लाह उर्फ दरोगा भाई, मंजूर खान, महबूब भाई, परवेज अख्तर, जफर आलम, सूरज, अनूपा, फहीम सफीकुल्लाह, दिलीप जैसवाल , प्रधान बभनी महबूब, बीडीसी मंजूर, महमूद प्रधान, मक्कू बाबा, हन्नान, अब्दुल नईम फलाही, इरशाद अहमद, जोहरा मेमोरियल स्कूल प्रबंधक इमरान अली खान, मोनू शर्मा, रवि जैसवाल, हृदय राम वर्मा आदि मौजूद रहे।

महिला बीट पुलिस अधिकारियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन

महिला कांस्टेबल की कुल 93 महिला बीट बनाई गई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में महिलाओं एवं बच्चियों के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं पूर्व में घटित अपराधों मैं सतत मॉनिटरिंग के लिए महिला कांस्टेबल की कुल 93 महिला बीट बनाई गई हैं स प्रत्येक थाने में क्षेत्रफल के अनुसार 4 से 7 की संख्या में महिला पुलिस बीट बनाई गई हैं स इनमें दो– दो महिला बीट पुलिस अधिकारियों को नियुक्त किया गया है स इनके द्वारा बीट के प्रत्येक गांव में महिला सुरक्षा समिति का गठन कर गांव की 7 से 10 तक महिलाओं को जोड़ा जाएगा जिसमें गांव के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व हो स महिला बीट पुलिस अधिकारी महिलाओं के प्रति होने वाले छेड़खानी , मारपीट वह घरेलू हिंसा जैसे अपराधियों पर गांव की महिलाओं के माध्यम से सतर्क दृष्टि रखेंगी स इसके अतिरिक्त विगत 3 वर्षों में महिलाओं के प्रति जो अपराध घटित हुए हैं उनकी पीड़ितों से महिला पुलिस अधिकारी मिलकर लगातार फीडबैक लेती रहेंगी कि उनको अब कोई समस्या तो नहीं है। इसी प्रकार गांव में महिलाओं के बीच में शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन 112, 1090, 181, 1098, 1076 के संबंध में महिलाओं को जागरूक करेगी स आज दिनांक 18 –08– 2021 को समस्त महिला बीट पुलिस अधिकारियों को पुलिस लाइन के सभागार में कार्यशाला करके उनके दायित्वों का बोध कराया गया।

7 बिंदुओं की माँग को लेकर किसान यूनियन ने खोला मोर्चा

.भारतीय किसान यूनियन ने विधायक कार्यालय का घेराव कर, एस०डी०एम० को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। लम्बित मांग पत्रों का समाधान सहित किसानों की समस्याओं को लेकर किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने शोहरतगढ़ तहसील परिसर में सात बिंदुओं की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने उपजिलाधिकारी शिवमूर्ति सिंह को दिए गए ज्ञापन में तहसील अंतर्गत सरकारी क्रय केंद्रों पर जिन–जिन किसानों के धान की खरीद एवं गेहूं की खरीद हुई है उनकी सूची की मांग की है। साथ ही कोटेदारों द्वारा खाद्यान्न में धांधली, तहसील ऑपरेटर द्वारा नियम विरुद्ध खतौनी का शुल्क लेना, तहसील कार्यालयों में लिपिकों द्वारा अपने रिस्तेदारो से कार्य कराना और उसे सार्वजनिक न करना, ग्राम समाज की भूमियों से अबैध कब्जा धारकों के प्रति हुई बेदखली आदेश पर कार्यवाही न करना। साथ ही दोहनी के गढ़ही गाटा संख्या 356, रमवापुर नानकार के गड़ही गाटा संख्या 266, खलिहान 267, जमुनी में गड़ही के गाटा संख्या 255क का मुद्दा उठाया है।इसके पूर्व किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने कस्बा स्थित स्थानीय विधायक चौधरी अमर सिंह के कार्यालय का भी घेराव कर उन्हें ज्ञापन सौंपा है। बाद वे शोहरतगढ़ तहसील परिसर में धरने पर बैठ गए। दोपहर बाद उप जिलाधिकारी शिवमूर्ति सिंह ने किसान यूनियन के ज्ञापन को लेते हुए उस पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। उन्होंने धान–गेहू क्रय की सूची उपलब्ध कराने, प्रश्नगत कोटेदारो की जॉच, तहसील के सम्बद्ध में जांचोपरांत कार्यवाही, अभियान चलाकर बेदखली की कार्यवाही पर अमल की बात कहते हुए कहा कि ज्ञापन का 1 सप्ताह में निपटारा करा दिया जाएगा।इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष श्रवण कुमार, गोविन्द चौधरी, जंग बहादुर पटेल, निराला मौर्य, सर्वजीत शर्मा, कन्हई प्रसाद, जंगीलाल, भूलन प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, रामबृक्ष चौधरी, रामबृक्ष गोंड, चन्द्रबली, माती देवी, श्यामकली, रामदुलारे, नन्दलाल, इंद्रदेव आदि मौजुद रहे।

खंडवा नाले में डूबकर युवक की मौत,हत्या की आंशका

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगरं जिले के मोहाना थाना क्षेत्र के मे खंडवा नाले में डूबकर एक युवक की मौत हो गई। बुधवार को उसका उतराता हुआ शव देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मोहाना थाना क्षेत्र के सूर्यकुडिया गांव निवासी 35 वर्षीय प्रमोद सोमवार देर शाम घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने खोजबीन की मगर उसका कोई पता नहीं चला।बुधवार सुबह गांव के बगल से गुजरने वाले मेखंडवा नाले में उसका उतराता हुआ शव मिला। यह देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थानाध्यक्ष मोहाना जय प्रकाश दुबे ने बताया कि पिता की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर गई थी। युवक की नाले में फिसलने कर डूबने से मौत की बात आ रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इटवा थाना मे पीस कमेटी की बैठक की गई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा। सिध्दार्थनगर इटवा तहसील के अन्तर्गत इटवा थाना

मे क्षेत्राधिकारी इटवा रमेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में व इटवा थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार राय के दिशानिर्देशों मे सभी धर्मगुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक की गई। मोहर्रम त्यौहार के मद्देनजर देखते हुए धर्म गुरुओं के साथ बैठक की गई। किसी प्रकार की जूलूस न निकले। न किसी सर्वजनिक स्थाल पर तहजीय न रखी जाय और शान्ति पुर्वक मोहर्रम का त्योहार मनाने की अपील की। सभी लोगों को अपने घर मे तहजीय रख सकते हैं।और शान्ति पूर्वक मनाया जाने की अपील की।और लेकिन किसी प्रकार के जुलूस न निकला जाय। इस अवसर मो नफीस, सफीउल्ला, मनिजर मौर्या, कासिम खान व अन्य इटवा के अन्य सम्भ्रान्त व्यक्ति व बीट पुलिसकर्मी उपस्थिति रहे।

510 सीसी नेपाली शराब के साथ 2 गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने खुनुवा बॉर्डर

से 510 सीसी नेपाली शराब के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट में कार्यवाही की है। उक्त की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि उ.नि. सभाशंकर यादव मय टीम द्वारा 02 नफर अभियुक्त को अवैध नेपाली शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 192ध्21धारा 60ध्63 ई एक्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। युवक के पास से 510 शीशी अवैध नेपाली कर्णाली सौफी शराब व एक अदद मोटरसाइकिल नं0 यूपी55एस9263 बजाज प्लेटिना बरामद की गई है। उक्त कार्यवाही में वीरेन्द्र पुत्र रामखेलावन निवासी नीबी दोहनी व राहुल कुमार पुत्र गंगाधर निवासी संतोरा थाना चिल्हिया को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान चौकी प्रभारी खुनुवा सभाशंकर यादव, का खुर्शीद आलम आदि मौजूद रहे।

जन आशीर्वाद यात्रा में वित्त राज्य मंत्री के स्वागत के लिए उमड़ा जनसैलाब

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। जन आशीर्वाद यात्रा आज तीसरे दिन महाराजगंज

जिले के फरेंदा कस्बे में पहुंचा जहां अपार जन समूह ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का स्वागत करने वालों का ताता लगा रहा । बताते चले कि फरेंदा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक बजरंग बहादुर सिंह तथा चेयरमैन राजेश जायसवाल ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत के क्रम में अधिवक्ता संघ सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया है । स्वागत का दौर अभी चल रहा है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के महाराजगंज की धरती पर कदम रखते की भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के क्रम में नौतनवा विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता लालचंद चौधरी ने उन्हें फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया है।

बच्चों के विवाद में हुए मारपीट में 35 वर्षीय युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर। बुधवार को सुबह करीब 8 बजे बच्चों को लेकर हुए विवाद को लेकर हुए मारपीट में 35 वर्षीय घायल व्यक्ति की मौत हो गई, सूचना पर पहुंची डुमरियागंज पुलिस नें लास को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के भरवठिया मुस्तहकम गांव निवासिनी सुनीता पत्नी राम बहादुर जायसवाल नें डुमरियागंज थाने पर दिए तहरीर में लिखा है कि 16 अगस्त दिन सोमवार को करीब शुबह 9 बजे पड़ोसी सुनील जायसवाल के बच्चों के बीच में विवाद के दौरान बीच बचाव करने गए हमारे पती रामबहादुर मृतक (35 वर्ष) को पड़ोसी सुनील जायसवाल,उनकी मां कविता,बहन ज्योती तथा पलक नें मिलकर लात घुसा से घसीट कर काफी बुरी तरह से मारे पीटे जिसके बाद मन्नीजोत में एक प्राइवेट चिकित्सक से इलाज करवाया मगर मेरे पती को लगी अंदरुनी चोट की वजह से प्राइवेट डाक्टर नें बेंवा सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए सलाह दिया जिसे बुधवार को शुबह 8 बजे इलाज के लिए ले जाते समय मेरे पति की मौत हो गई। जिसकी थाने पर तहरीर दे कर उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज शैलेश कुमार सिंह नें कहा कि मारपीट की घटना दो दिन पहले हुई थी,जिसमें आज रामबहादुर की मौत हो गई,मृतक की पत्नी के द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लाश को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

पुस्तक के अनुशीलन से भाषायी सामाजिक सद्भाव की समझ विकसित के साथ ही साहित्यिक

रायबरेली । रामायण यक काफिया मन्जूमए उफुक जिसका प्रकाश 1885 तथा पुनः प्रकाशित 1914 में वाणी प्रकाशन प्रेस द्वारा किया था रामायण यक काफिया मन्जूमए उफुक पुस्तक की अयोध्या शोध संस्थान उत्तर प्रदेश व पर्यटन एवं सांस्कृति विभाग द्वारा प्रशांसा करते हुए बताया गया है कि पूर्वजों द्वारा उर्दू में रचित राम कथाए हमारी ऐतिहासिक धरोहर है जो हमारी बरसो से चली आ रही भाषाई एवं सामाजिक सद्भाव को प्रकाशित करती है। रामायण यक काफिया जो कि उर्दू और हिन्दी में लिखी गई है प्राप्त कुछ पुस्तक की प्रतियों को उपनिदेशक सूचना प्रमोद कुमार द्वारा जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष अनेक उर्दू के जानकार रियाजुल हक, तबारक हुसैन, वफा आबदी, आरफा बेगम, इफ्तिखार अहमद खा, प्रागदत्त, राधेश्याम लाल कर्ण आदि को मुहैया कराने के साथ ही समाज सेवी व एडवोकेट अनीता श्रीवास्तव व समाज सेवी व सभासद पूनम तिवारी, एडवोकेट सुनील त्रिपाठी आदि को मुहैया करवाई गई है। समाज सेवी व एडवोकेट अनीता श्रीवास्तव, समाज सेवी रियाजुल हक, शबनम प्रिया अवस्थी, राज कुमारी सिंह, रमा सिंह, सारिका द्वारा बताया गया कि रामायण यक काफिया पुस्तक के बारे में बताया कि उर्दू और हिन्दी दोनो भाषाओं में प्रकाशित रामायण यक काफिया (क्लिष्ट उर्दू शब्दों के अर्थ सहित) साहित्य मर्मज्ञों और साहित्यानुरागी सुधी पाठकों में समादृत है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आगमन की तैयारियां अंतिम चरण में

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर।भटहट के पिपरी

में पांच एकड़ खेत में हेलीपैड बनाने की तैयारी।

देश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे राष्ट्रपति।राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगमन की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। हेलीपैड बनाने लेकर चल रहा संशय भी खत्म हो गया है। अब कार्यक्रम स्थल के पास ही हेलीपैड बनेगा।राष्ट्रपति 28 अगस्त को यहां भटहट के पिपरी में प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। साथ ही मानीराम सोनबरसा स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्विद्यालय का लोकार्पण करेंगे।राष्ट्रपति के साथ सेना के तीन हेलीकॉप्टर आएंगे। प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल के बगल में करीब पांच एकड़ खेत में हेलीपैड बनाने का निर्णय किया है।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से साइकिल सवार बालक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर। थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव के समीप जयसवाल टेंट हाउस के सामने दोपहर करीब 1रू00 बजे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से 12 वर्ष बालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंजय पुत्र अशोक जयसवाल उम्र 12 वर्ष निवासी चंद्रदीप घाट थाना खोडाघ्रे जनपद गोंडा अपने घर से साइकिल लेकर अपने मामा खुन्नू जयसवाल के यहां घूमने आ रहा था भिटौरा गांव के समीप पहुंचा ही था कि भड़रिया की तरफ से आ रही ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ गया जिससे मंजय की मौके पर ही मौत हो गई। पिता अशोक जयसवाल ने भवानीगंज थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया गया है तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पैडलेगंज पुलिस चौकी का सराहनीय योगदान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। अस्थाई पुलिस चौकी पैडलेगंज की पुलिस ने शिवा पावर सोल्यूशन गोरखपुर टाटा आवाज रहित जनरेटर के अधिकृत विक्रेता व निदेशक एस एन दूबे को उनका पैसा दिलाया। ज्ञात हो कि मि दूबे ने कुछ साल पहले वहीं के स्थानीय हास्पीटल इशू को एक आवाज रहित जनरेटर सेट विक्रय किया था परन्तु हास्पिटल मालिक द्वारा पैसे देने में आनाकानी की जा रही थी। इस बात की जानकारी उन्होंने पैडलेगंज पुलिस को दी , इस बात को संज्ञान में लेते हुए वहां की पुलिस ने हास्पीटल मालिक के खिलाफ एक्शन लेते हुए उनका पैसा दिलाया। इस सराहनीय कार्य के लिए मि दूबे ने ऐसे पुलिस वालों की सराहना की तथा उन्हें धन्यवाद दिया।

शान्ति भंग की आशंका में एक को जेल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। बुद्धवार को शोहरतगढ़ पुलिस शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों को अन्तर्गत धारा 151 सीआरपीसी मे गिरफ्तार कर कार्यवाही की है। उक्त की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि उ0नि0 राघवेन्द्र प्रताप यादव मय टीम द्वारा शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यवाही की गई है, जिसमें असगर अली पुत्र सनउल्लाह उम्र 50 वर्ष निवासी नकाही को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान उ0नि0 राघवेन्द्र प्रताप यादव, का अजय यादव आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

स्पष्ट है कि अफगानिस्तान को लेकर बाइडन सरकार से गलती हुई है। आज उसकी इस गलती की कीमत 3.3 करोड़ अफगानियों को चुकानी पड़ रही है, जिन्हें मध्ययुगीन दौर में धकेला जा रहा है। आगे चलकर अमेरिका की यह गलती दुनिया पर भी भारी पड़...

काबुल में तालिबान

तालिबान विद्रोही काबुल के बाहरी इलाकों तक पहुंच गए हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें राजधानी का नियंत्रण शांतिपूर्ण तरीके से सौंप दिया जाए। अजीब बात है कि तालिबान का अफगानिस्तान पर करीब–करीब कब्जा हो चुका है, जबकि अमेरिका के सैनिकों को वापस बुलाने की समयसीमा खत्म होने में अभी दो हफ्ते का वक्त बचा है। वैसे, अमेरिका 31 अगस्त की डेडलाइन से पहले ही अपने ज्यादातर सैनिकों को वापस बुला चुका है। अफगानिस्तान एक सदी से दुनिया की महाशक्तियों की जोर–आजमाइश के केंद्र में रहा है और सबकी आखिरकार यहां हार हुई। अस्सी के दशक के आखिर में सोवियत संघ के बाद अब अमेरिका की यहां हार हुई है। शीत युद्ध के दौर में जिन मुजाहिदीनों को अमेरिका ने सोवियत सेना से लडने के लिए खड़ा किया था, आज उन्हीं के हाथों उसकी शिकस्त हुई है। इस पर बहस चलती रहेगी कि क्या यह हार उसके लिए वियतनाम से बड़ी है या नहीं, लेकिन यहां उसने एक ऐसी गलती की है, जिसे लेकर उससे सवाल पूछे जाते रहेंगे। अमेरिका असल में अफगानिस्तान के जमीनी हालात का अंदाजा लगाने में बिल्कुल नाकाम रहा। इस सिलसिले में राष्ट्रपति जो बाइडन का 8 जुलाई का बयान गौरतलब है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी सैनिकों के वापस लौटने का मतलब यह नहीं है कि अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो ही जाए। वह मानते थे कि अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बल के तीन लाख जवान 75 हजार तालिबान विद्रोहियों का सामना करने के लिए पर्याप्त हैं। उसने पिछले 20 वर्षों में इन सैनिकों की ट्रेनिंग, हथियार और वेतन देने पर 83 अरब डॉलर की रकम खर्च की थी। यह सब बताते वक्त बाइडन अफगान सेना की कमियों से मुंह चुरा गए। सच यह है कि इसके कमांडर भ्रष्ट थे। इसके जवानों का मनोबल ऐसा नहीं था कि वे तालिबान विद्रोहियों के सामने टिक पाएं। इसलिए जब एक के बाद एक शहरों में तालिबान विद्रोही घुसने लगे तो अफगान जवान बिना लड़े वहां से भाग लिए, जबकि उनके पास कहीं अधिक आधुनिक हथियार थे। कमांडरों के भ्रष्टाचार की बात खुद अमेरिकी जांच रिपोर्ट्स में सामने आ चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने और अफगान सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए अमेरिका ने कुछ नहीं किया। उसने अपने कई पूर्व सैन्य अधिकारियों की सलाह नहीं मानी, जो कह रहे थे कि सैनिकों को वापस नहीं बुलाना चाहिए। इससे पहले तालिबान के साथ शांति वार्ता के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों ने ऐसे दिखाया कि विद्रोही बदल चुके हैं। यह सुधरा हुआ तालिबान है। स्पष्ट है कि अफगानिस्तान को लेकर बाइडन सरकार से गलती हुई है। आज उसकी इस गलती की कीमत 3.3 करोड़ अफगानियों को चुकानी पड़ रही है, जिन्हें मध्ययुगीन दौर में धकेला जा रहा है। आगे चलकर अमेरिका की यह गलती दुनिया पर भी भारी पड़ सकती है क्योंकि तालिबान बदला नहीं है। क्या उसे फिर से अपनी अफगान नीति पर पुनर्विचार नहीं करना चाहिए? अफगानिस्तान के प्रति अमेरिका और वैश्विक समुदाय की एक जिम्मेदारी है। उन्हें अपना यह दायित्व याद रखना होगा।

आगे की चिंता करें

निरंतर हंगामे और शोर–शराबे के बीच संसद के मॉनसून सत्र का तय समय से पहले ही समापन हो गया, लेकिन इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जो तल्खी आई, वह समाप्त नहीं हो रही है। हालांकि इसी सत्र के दौरान दोनों सदनों में सरकार और विपक्ष के बीच दुर्लभ किस्म की एकजुता भी दिखी। ओबीसी सूची बनाने के राज्यों के अधिकार से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर दोनों सदनों में पार्टियों का भेद समाप्त हो गया था। लेकिन राज्यसभा में सत्र के आखिरी दिन इसके ठीक बाद जब सरकार इंश्योरेंस बिल लेकर आई तो विपक्ष बौखला उठा। उसका कहना था कि यह बिल लाने की बात तो तय नहीं थी।

इसके बाद विपक्षी सदस्यों की ओर से ऐसा हंगामा हुआ कि सदन में मार्शल बुलाने पड़े और फिर सदन में वह दृश्य उपस्थित हुआ, जो कभी नहीं हुआ था। अब जहां सरकार कह रही है कि विपक्षी सदस्यों ने मार्शलों के साथ मारपीट की, वहीं विपक्ष का आरोप है कि बाहरी लोगों को मार्शल की ड्रेस पहनाकर सदन में भेजा गया और उनसे विपक्षी सांसदों को पिटवाया गया। इस तरह के आरोप सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने कभी एक–दूसरे पर नहीं लगाए थे। सचाई स्पष्ट करने के लिए राज्यसभा सचिवालय की ओर से आखिरी घंटे की कार्यवाही का मिनट–दर मिनट ब्योरा विडियो के रूप में पेश किया गया, लेकिन उससे भी बात नहीं बनी।

विपक्ष का कहना है कि सिलेक्टिव विडियो जारी किए गए हैं। दो पक्षों के बीच जब इस तरह की स्थिति बन जाए तो निष्पक्ष तस्वीर उभरने की संभावना धूमिल हो जाती है। लोकतंत्र में ऐसी स्थिति को हर हाल में टालना चाहिए। यह विपक्ष के लिए वाकई आत्मालोचना का अवसर है। पूरे सत्र के दौरान जिस तरह से वह एक मुद्दे को लेकर आसमान सिर पर उठाए रहा, वह उसकी राजनीति के लिए कितना फायदेमंद हुआ या आगे हो सकता है, इस पर भी उसे गंभीरता से सोचना चाहिए। आखिर उसका मकसद क्या था? सदन में तीखी बहस हो या हंगामा, शोर–शराबा किया जाए या कामकाज न चलने दिया जाए– इन सबके पीछे विपक्ष का उद्देश्य किसी खास मुद्दे की तरफ लोगों का ध्यान खींचना ही होता है।

अगर इस बार भी यही बात थी तो फिर ऐसी नौबत आखिर क्यों और कैसे आ गई कि सदन में मार्शल बुलाने पड़े? निश्चित रूप से विपक्ष को देखना चाहिए कि उसका विरोध कब और कैसे हदों को पार करने लगा। इसका मतलब यह नहीं कि इस मामले में सत्ता पक्ष पूरी तरह पाक–साफ है। लोकतंत्र जिद से नहीं चलता। देखना पड़ता है कि कब विपक्ष के विरोध को अनदेखा करना है और कब हाथ पकड़ कर उसे अपने साथ कर लेना है। विपक्ष को मना लेने की क्षमता का प्रदर्शन करने में सरकार निश्चित रूप से चूकी है। दोनों पक्ष सही सबक लें तो लोकतंत्र की आगे की यात्रा बेहतर बनाई जा सकती है।

आरक्षण पर संघ का साफ सुथरा नजरिया

दरअसल, नीरज की कामयाबी में उन्हें मिली सुविधाओं का भी योगदान है। उन्हें विदेशी कोच मिले। बायोमैकेनिकल विशेषज्ञ मिले। दूर तक भाला फेंकने की सामर्थ्य बढ़ाने वाली जर्मनी की महंगी मशीनें उपलब्ध हुईं। किसी खिलाड़ी को स्वर्णिम लक्ष्य के लिये तपस्या से गुजरना पड़ता है। नीरज को जब लगा कि अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स स्पर्धाओं में मुकाबले की ताकत जुटाने के लिये मांसाहारी होना पड़ेगा तो उन्होंने ...

कृष्णमोहन झा

हमारे देश में आरक्षण हमेशा ही राजनीतिक दलों के लिए एक ज्वलंत मुद्दा रहा है और हर राजनीतिक दल यह साबित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता कि दलितों और पिछड़ी जातियों के हितों की चिंता उसे दूसरे दलों से अधिक है। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं है । अनेक राजनीतिक दल तो आरक्षण के मुद्दे पर जब तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधने से भी नहीं चूकते जबकि आरक्षण के मुद्दे पर संघ का जो दृष्टिकोण कल था वही आज भी है। संघ ने कभी भी आरक्षण को चुनावी मुद्दा नहीं माना। किसी चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाओं को बलवती बनाने के लिए आरक्षण के मुद्दे पर का उसके निश्चित दृष्टिकोण से भटकाव भी देखने को नहीं मिला ।यह बात अलग है कि अनेक राजनीतिक दलों ने आरक्षण को लेकर संघ के दृष्टिकोण में बदलाव के आरोप लगाने में कभी संकोच नहीं किया। यह आश्चर्य का विषय है कि हमेशा ही संविधान सम्मत आरक्षण का समर्थक होने के बावजूद संघ को कठघरे में खड़ा करने की कोशिशें आज भी जारी हैं । विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि संघ प्रमुख और सरकार्यवाह की कभी भी पलटवार करने की रणनीति अपनाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। हर मंच से संघ प्रमुख और सरकार्यवाह ने आरक्षण को लेकर संघ का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। मोहन भागवत ने आज से दो वर्ष पूर्व न ई दिल्ली में आयोजित भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण को लेकर संघ के दृष्टिकोण की भली भांति व्याख्या करते हुए कहा था कि सामाजिक विषमता को हटाकर सबके लिए समान अवसर सुनिश्चित करने वाले संविधान सम्मत आरक्षण का संघ का पूरा समर्थन करता है। सामाजिक कारणों से समाज के एक हिस्से को हमने पिछले एक हजार साल में निर्बल बना दिया है । उनको ऊपर उठाने के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। एक हजार की बीमारी को दूर करने के लिए अगर सौ डेढ़ सौ साल लगते हैं तो यह त्याग हमें करना ही पड़ेगा। यह हमारा कर्तव्य है। संघ प्रमुख ने भविष्य का भारत कार्यक्रम में स्पष्ट कहा था कि आरक्षण समस्या नहीं है। आरक्षण को लेकर होने वाली राजनीति असली समस्या है । आरक्षण कब तक जारी रहना चाहिए इस बारे में संघ प्रमुख ने सदैव एक ही बात कही है कि यह तय करने की जिम्मेदारी उन लोगों पर छोड़ दी जानी चाहिए जिनके उत्थान के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लगभग दो वर्ष पूर्व भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण को लेकर जो विचार व्यक्त किए थे उनकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में महसूस की जा सकती है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में ही न ई दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक के विमोचन समारोह में इसी मुद्दे पर फिर एक बार संघ के दृष्टिकोण की विस्तार से चर्चा करते हुए आरक्षण को एक ऐतिहासिक आवश्यकता निरूपित किया है । दत्तात्रेय होसबोले ने अपने संबोधन मे संघ प्रमुख के इस कथन को दोहराया कि आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए जब तक कि आरक्षण से लाभान्वित होने वाले लोग स्वयं ही इसे लेने से इंकार न कर दें। सरकार्यवाह ने कहा कि आरक्षण की सुविधा लेने से इंकार करना उन लोगों का विशेषाधिकार है जिनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। जब तक समाज का एक वर्ग गैर बराबरी का अनुभव करता है तब तक आरक्षण को जारी रखना होगा। सरकार्यवाह ने बिना किसी लाग–लपेट के दो टूक लहजे में कहा कि दलितों के इतिहास के बिना भारत का इतिहास अधूरा है। सरकार्यवाह जब आरक्षण को ऐतिहासिक आवश्यकता बताते हैं तब उनका आशय यही होता है कि इतिहास की गलतियों को सुधारने के लिए आरक्षण जरूरी है। गौरतलब है कि यही बात सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण के मुद्दे पर संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कही थी। इसे भी एक संयोग ही माना जाना चाहिए कि जिस दिन सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले राजधानी में मेकर्स आफ मार्डर्न दलित हिस्ट्री नामक पुस्तक का विमोचन किया उसी दिन लोकसभा में ओबीसी आरक्षण संशोधन विधेयक पारित किया गया और दूसरे दिन राज्य सभा ने भी इस विधेयक का अनुमोदन कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 127वां संविधान संशोधन विधेयक पारित होने के बाद कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है।यह विधेयक समाज के वंचित वर्गों की गरिमा और उनके लिए अवसर और न्याय सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आरक्षण को लेकर अनेक राजनीतिक दलों ने संघ पर निशाना साधकर अपना राजनीतिक हित साधने का प्रयास किया है जबकि संघ ने हमेशा समाज के दलित शोषित और वंचित वर्ग के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण के लिए आरक्षण की वकालत की है । संघ प्रमुख पहले ही कह चुके हैं कि आरक्षण समस्या नहीं है बल्कि आरक्षण को लेकर होने वाली राजनीति समस्या है। संघ ने आरक्षण को कभी भी चुनावों को ध्यान में रखकर आरक्षण के पक्ष में विचार व्यक्त नहीं किए। संघ के इस विचार से किसी राजनीतिक दल के असहमत नहीं होना चाहिए कि संविधान में आरक्षण का प्रावधान समाज के जिन कमजोर वर्गों के लिए किया गया है उन्हें ही यह तय करने का अधिकार दिया जाए कि आरक्षण कब तक जारी रहना चाहिए। आरक्षण को लेकर संघ का दृष्टिकोण अपरिवर्तनीय है और विचारणीय भी ।

हम कतई नहीं चाहते कि हताश युवा नशे और अपराध की ओर मुड़ें। अब उनमें लाखों युवा बेहतर मौकों की तलाश में पश्चिमी और अरब मुल्कों का रुख कर रहे हैं, भले ही वहां उन्हें समान नागरिकता प्राप्त न हो। क्यों नहीं राजनीतिक दल एक बृहद योजना बनाते, जिससे हमें विकास और रोजगार, दोनों मिलें हालिया इतिहास में विश्व में ऐसे कई अनुकरणीय मॉडल हैं, जिनसे हम सीख ...

पारदर्शी व्यवस्था में सुशासन की जवाबदेही

गुरबचन जगत

हम भारत के लोग...च ये वे शब्द हैं, जो कभी हमारे राष्ट्र के संस्थापकों ने देश का संविधान बनाते समय कहे थेदृ समय है इन्हें याद करने का। हमारे संविधान में जिस भावना के तहत लोकतांत्रिक सरकार की व्यवस्था की गई है, यह वक्त है उसकी पुनर्स्थापना का, न कि उस पतन को ढोने का, जो आज व्याप्त है। यह समय है कर्णधारों से पूछने का रू श्तुमने क्या किया और आगे मतदाताओं (ग्राम, जिघ्ला, राज्य या राष्ट्रीय) के लिए क्या करना चाहते होच्य यह कमजोर लोगों की निशानी है कि कोई श्मजबूत्य नेता हांक ले जाए, जबकि श्तगड़ेच्य लोग चुने जनप्रतिनिधियों से सीधा ठोस नतीजे देने को कहते हैं। ऐसे लोगों को किसी नेता को महामानव की तरह पेश करने वाले जनसूचना प्रचारों से भरमाया नहीं जा सकता। न ही वह लालच एवं दुर्भावना से संचालित संस्थाओं द्वारा फूट डालने और गुमराह करने वाले दुष्प्रचार में बहती है। हमारी तरह के लोकतंत्र में नागरिकों से अपेक्षित है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में काम कर दिखाने वाले सर्वश्रेष्ठ जनप्रतिनिधि को चुनेंगे (चाहे यह विधायक हो या सांसद या एक सरपंच)। ऐसा करते वक्त वे मानस पर किसी वंशवादी नेता या खुद को सर्वक्षमताशाली होने का प्रपंच रचने वाले को हावी न होने दें दृ चुनाव लडने वाले कोई आसमान से उतरे हुए नहीं बल्कि आम इनसान होते हैं, वे भी कमजोरियों, खामियों, स्वशंका और असुरक्षा से परिपूर्ण होते हैं। हमें जरूरत है ऐसे स्थानीय उम्मीदवार चुनने की, जिनके अंदर हम बतौर एक नागरिक अच्छा नेतृत्व, दूरदृष्टि, गहन सहृदयता एवं मानवता वाले गुण पाएं। वोट देते समय मैं स्वयं विभिन्न दलों द्वारा जारी घोषणापत्रों को पूरी तरह नहीं पढ़ पाता, इसके पीछे सीधी वजह है, उनका बहुत लंबा, उबाऊ, दोहराव भरा होना। और अनुभव बताता है कि उनमें किए वादे शायद ही पूरे किए जाते हैं। कोई भी गौर कर सकता है कि अधिकांश मतदाता महत्वपूर्ण मुद्दों पर असल ध्यान केंद्रित करने की बजाय जाति–पाति, धर्म, क्षेत्रवाद, मतदान की पूर्व संध्या को पेश किए लालचों में फंसकर अपना मन बना लेता है। मतदाता को पूरी तरह यह तक समझ नहीं है कि वह खुद सरकार से क्या अपेक्षा रखे। यह परिणाम है लोकतंत्र के विभिन्न स्तंभों की असफलता का, मसलन, मीडिया– न्यायपालिका और चुनावी मामलों में राजनीतिक दलों एवं चुनाव आयोग की विफलता का। कहां तो आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को चुनाव लडने से वर्जित किया जाना चाहिए, कहां धन और बाहुबल युक्त ऐसे तत्वों की बहुत पूछ होती है क्योंकि चुनावी जीत सुनिश्चित करने में इन अवयवों को प्रमुख माना जाता है। यह अपराधी–राजनीतिक–स्मगलर–पुलिस और समूचे न्यायिक तंत्र से बना गठजोड़ है, जो इतने बड़े स्तर पर ऐसे लोगों को मतदाता को धमकाने, जबरदस्ती करने और लालच देने की छूट देता है। ऐसे व्यक्ति मतदाताओं को जाति एवं धर्म के आधार पर बरगलाने में झूठ और फरेब फैलाने में माहिर होते हैं। तभी चुनावों से पहले हमें अक्सर जातीय या सांप्रदायिक नफरत उभारने वाली घटनाएं देखने को मिलती हैं। आम लोग इन प्रसंगों से बने माहौल के झांसे में आ भी जाते हैं क्योंकि इनका पर्दाफाश करने जो प्रतिवाद मीडिया अथवा सोशल मीडिया पर आना चाहिए, वह या तो बहुत कमजोर होता है अथवा नगण्य। इसलिए समाज के बहुत बड़े तबके में राजनेताओं और राजनीति के प्रति बनी वितृष्णा से व्यवस्था से पूरी तरह मोहभंग होने की स्थिति बन गई है। यहां तक कि चुनाव उपरांत, संसद, जो कि लोकतंत्र का ढांचा है, उसका रूप धीरे–धीरे ऐसे स्वांग में तबदील कर दिया गया है कि प्रस्तुत नये कानून ज्यादातर बिना यथेष्ठ बहस करवाए, केवल ध्वनि मत के जरिए स्वीकार एवं लागू करवा लिए जाते हैं। जबकि संसद ऐसा संस्थान है, जहां पेश किए जाने वाले नये कानून समुचित बहस के बाद स्वीकार–लागू होते हैं, नयी नीतियों का आगाज और बजट यहीं पास किए जाते हैं। यहां राष्ट्रीय महत्व के तमाम मुद्दे एवं विषय उठाए जाते हैं और उन पर मंथन होता है। किंतु जिस तरह जानबूझकर इस लोकतांत्रिक संस्थान में भारी बहुमत के बल पर छिपी मंशा वाले कानूनों को पास करवाया जा रहा है, वह निंदनीय है। क्या संसद की मौजूदा स्थिति भविष्य की इबारत है या फिर यह परिपाटी बनने जा रही है यह वक्त ही बताएगा। प्रत्येक राजनीतिक दल, चाहे क्षेत्रीय हो या राष्ट्रीय, वह श्सुशासनच्य या फिर श्न्यूनतम प्रशासनिक नियंत्रण... अधिकतम प्रशासनच्य देने का वादा करता है। लेकिन किसी को याद है वास्तविक रूप में पिछली मर्तबा कब श्सुशासनच्य वाला काल देखने को मिला था वह स्तर जिस पर ज्यादातर नागरिकों का राबता सरकार से पड़ता है, वे हैं–पुलिस, कराधान, विकास कार्य, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि। सुशासन की नीव की शुरुआत मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारियों द्वारा वास्तविक धरातल पर जनता, मतदान क्षेत्र और विकास कार्यों से सीधा नाता रखकर और भागीदारी बनाने से होती है। जिस एक अन्य तरीके से इसे किया जा सकता है, वह है, सघन दौरे। आंखों देखे हालात आपको बृहद आयाम प्रदान करते हैं और कार्य में तेजी लाते हैं। इन दिनों अफसर दौरों पर नहीं जाते, मंत्री तो केवल उद्घाटन या शादी या शोकसभा (भोग) में शामिल होने के लिए नमूदार होते हैं। सुशासन बनाने में एक अन्य अवयव है अधिकारियों की नियुक्तियां एवं स्थानांतरण। लेकिन इस व्यवस्था को भी पूरी तरह तोड़–मरोड़ दिया गया है, सही क्रियान्वयन और न्यायोचित व्यवस्था वजूद में न होने का नतीजा है इलाकों में भ्रष्ट, नकारा अफसरों की नियुक्तियां। सूबे में वरिष्ठ पदों पर यानी जिलाधीश और पुलिस कप्तान यदि सही अफसर लगाए जाएं तो हालात में त्वरित सुधार आता है। इसी तरह केंद्र सरकार में प्रतिष्ठित पद जैसे कि सीबीआई और एनआईए के निदेशक, महालेखाकार, महत्वपूर्ण मंत्रालयों के सचिव, प्रवर्तन निदेशालय, कस्टम एंड एक्साइज, आयकर विभाग में ऊंचे ओहदे इत्यादि का उत्तरोतर राजनीतिकरण हो रहा है। जबकि इनकी और कनिष्ठ अफसरों नियुक्तियों के लिए बाकायदा एक सुनियोजित व्यवस्था है। परंतु इसके प्रावधानों को लगातार दरकिनार किया जाता है। अधिकांश मामलों में न्यायपालिका मूकदर्शक बन जाती है। इसलिए यह एजेंसियां विरोधियों को तंग करने और शराह पर लानेच्य के लिए सरकार का औजार बनकर रह गई हैं। किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा चुनाव पूर्व किए गए वादे और उन्हें पूरा कर दिखाने की क्षमता, उसकी कारगुजारी का आकलन करने को मूल पैमाना होना चाहिए। सरकार के काम में पारदर्शिता रखना एक अन्य महत्वपूर्ण अवयव है और इसका बहुत ज्यादा महत्व है। क्यों नहीं सरकार जनता को राष्ट्रीय मुद्दों पर भरोसे में रखती फिर चाहे यह लद्दाख प्रकरण हो या कोविड महामारी या नोटबंदी की पूर्व सूचना ताकि अफरातफरी और पलायन जैसे हालात न बनें। क्यों नहीं हमें देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति और बेरोजगारी के आंकड़े दिए जाते एक तरफ तो हम गंगा में बहती लाशें और किनारों पर दफन मुर्दों के दृश्य देखते हैं वहीं सरकारें इन्हें नकार रही होती हैं। केंद्र सरकार कोविड से हुई कुल मौतों की जो गिनती बताती है, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित एजेंसियों के मुताबिक आधिकारिक आंकड़ों से वास्तविक स्थिति 10 गुणा ज्यादा है। पेगासस जासूसी प्रकरण का जिन्न बाहर निकला और निशाने पर रहे कुछ नाम भी सामने आ आए, परंतु सरकार के मुंह से एक लफ्ज न निकला। आज सड़कों पर हजारों किसान भीषण सर्दी–गर्मी के बावजूद आंदोलनरत हैं, सैकड़ों की मौत हुई है लेकिन केंद्र सरकार की ओर से एक भी मिलने नहीं गया! चाहे करतूतें केंद्र सरकार की हों या राज्यों की, सूची अंतहीन है। क्या सूचना का अधिकार अभी भी जिंदा है नागरिक चाहते हैं महत्वपूर्ण विषयों पर पारदर्शिता बने, चाहे सत्ता में कोई भी दल हो। सरकारें पर्दे में रहकर काम न करें और पूछे जाने वाले हर सवाल को देशद्रोह न ठहराया जाए। जीवनस्तर में निरंतर सुधार हो, यह चाह हर नागरिक को होती है। अमेरिकी संविधान में तो सरकार प्रदत्त श्खुशी का लक्ष्य पानाच्य प्रत्येक नागरिक का अधिकार बताया गया है। हमारे पूर्वजों ने भी भारतीय संविधान बनाते वक्त यही भावना रखी थी, जब उन्होंने सबके लिए श्समान अवसर एवं रुतबेच्य की बात कही थी। रोजगार पाने का अधिकार इस घोषणा का जरूरी हिस्सा है। लोगों की रुचि आंकड़ों में नहीं है। वे सड़कों पर घूमते लाखों बेरोजगार युवा और भूखे शिशु एवं कुपोषित मांओं वाली दृश्यावली देखना नहीं चाहते।

न्यायाधीश ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व न्यायाधीश आरिफ निसामुद्दीन ने मंगलवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार में निरुद्ध बंदियों के बारे में जानकारी ली। कहा कि कोरोना को देखते हुए उच्च न्यायालय इलाहाबाद के हाई पावर कमेटी की तरफ से दिए गए आदेश का पूरी तरह से पालन होना चाहिए। परिसर को निरंतर सैनिटाइज किया जाना चाहिए। निरुद्ध कैदियों को शारीरिक दूरी का पालन कराएं। हाथों को साबुन से धोने व हमेशा मुंह को मास्क से ढकने का निर्देश दिया। कैदियों के लिए मीन्यू के अनुसार पौष्टिक आहार की व्यवस्था करें। कारागार परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। कैदियों को कोरोनारोधी टीका लगवाएं। महिला बैरक में साथ रहने वाले बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ दूध की व्यवस्था कराएं। न्यायाधीश ने जेल में स्थापित लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया। कहा कि यदि किसी बंदी को विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकता है। यदि किसी बंदी को अपने मामले में पैरवी की आवश्यकता हो तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निश्शुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर विधिक सहायता ले सकता है। डिप्टी जेलर केके दीक्षित, वन्दना त्रिपाठी, पैनल अधिवक्ता गिरिजेश शाही, मनोज विश्वकर्मा, राजू यादव आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श

देवरिया। उप्र जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ की बैठक सदर बीआरसी सभागार में हुई, जिसमें शिक्षकों की समस्याओं को लेकर विचार–विमर्श किया गया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने कहा कि पांच सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर सेवानिवृत्त 73 शिक्षकों व कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले शिक्षकों के स्वजन को सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी व महामंत्री नरेंद्र कौशिक की मौजूदगी रहेगी। जिला महामंत्री नंदलाल ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद ने निर्धारित प्रारुप पर पेंशन स्वीकर्ता अधिकारी को सूचित करने का निर्देश दिया है, लेकिन इसका अनुपालन नहीं हो रहा है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने कहा कि चयन वेतनमान से संबंधित पत्रावलियों के निस्तारण में देरी की जा रही है। पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर प्रदेश संगठन से वार्ता कर ठोस रणनीति बननी चाहिए। रुद्रपुर के अध्यक्ष राकेश ने कहा कि नवनियुक्त शिक्षकों के अवशेष संपूर्ण वेतन का भुगतान एक साथ होना चाहिए। बैठक में अशरफ अली खां, हेमंत शुक्ला, जयदीप सिंह, अशोक कुमार, ओमप्रकाश कुशवाहा, सुनीता सिंह, रामाजी यादव, हरेराम यादव, अमरनाथ वर्मा, दीनदयाल, बालेंदु मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सर्राफा की दुकान का ताला तोड़ जेवर सहित तिजोरी उठा ले गए चोर

देवरिया। थाना क्षेत्र के गुलहरिया चौराहे स्थित सर्राफा की दुकान का शटर तोड़कर सोमवार की रात चोरों ने तिजोरी सहित अन्य सामान उठा ले गए। सुबह गांव से कुछ दूरी पर मठिया खरीद गांव के समीप एक खेत में तिजोरी पड़ी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। तरकुलवा थानाक्षेत्र के सिरसिया गोठा गांव निवासी अवधेश वर्मा की गुलहरिया चौराहे पर आभूषण की दुकान है। सोमवार की शाम को नित्य की भांति वे अपनी दुकान को बंद करके घर चले गए। देर रात चोर दुकान की शटर का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। चोर, दुकान में रखे तिजोरी को ही उठा ले गए। सुबह तिजोरी मठिया खरीद गांव जाने वाली सड़क के किनारे एक खेत में टूटी हालत में मिली। दुकानदार का कहना है कि तिजोरी में 30 हजार रुपये नकद, 13 अदद सोने की कान की बाली, 10 अदद सोने की नथुनी, 50 अदद सोने की खील, 2अदद लरी समेत सोने की नथिया,17 ग्राम पुराना सोना, ग्राहक का गिरवी रखा एक सोने का चेन,चार किलो चांदी, चांदी के पायल रखा हुआ था जिसे चोर उठा ले गए। इंस्पेक्टर जयंत सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

अमन-चैन में खलल बर्दाश्त नहीं

देवरिया। स्थानीय थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें त्योहारों को लेकर नागरिकों के साथ रणनीति बनाई गई। क्षेत्राधिकारी पंचम लाल ने कहा कि मोहर्रम सहित अन्य त्योहार कोविड प्रोटोकाल के तहत मनाया जायेगा। शांति व्यवस्था में खलल पैदा करने वालों से पुलिस प्रशासन सख्ती से निपटेगा। कहा कि ताजिया जुलूस नहीं निकलेगा। सबको शासन के निर्देश के अनुसार घर पर ही मोहर्रम मनाना है । थानाध्यक्ष चंद्रभान सिंह ने कहा कि शासन व उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन हर हाल में कराया जाएगा ।किसी को स्थानीय स्तर पर कोई भी दिक्कत हो तो वह थाने से संपर्क कर सकता है। पुलिस प्रशासन सुरक्षा के दृष्टि से सदैव तत्पर हैं। एसआइ आशुतोष कुमार, एसआइ संतोष कुमार, एसआइ रणजीत सिंह, धीरेंद्र सिंह,रविद्र यादव, सुनील कुमार, मुंशी दीपक नायक, मुशी रामशीष , शुभम सिंह अतुल्लाह ,शमीम,,इद्रीश,नवी,अमीर मास्टर,सलामुद्दीन, सोबराती अंसारी,सुहेल, निजामुद्दीन अंसारी,मुनीब अंसारी,यासीन अंसारी आदि मौजूद रहे।

कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ा 10 हजार का इनामी बदमाश

देवरिया। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने पिपरपाती पुलिया के समीप से 10 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी, लेकिन असफलता हाथ लग रही थी। पुलिस को किसी ने सूचना दिया कि 10 हजार का इनामी बदमाश रघुवीर कुमार गौतम पुत्र रामनरेश प्रसाद निवासी अंबेडकर नगर भीखमपुर रोड वार्ड नं तीन, भीखमपुर रोड से कुछ देर में गुजरेगा। कुछ ही देर में प्रभारी कोतवाल दारोगा अश्वनी सिंह, महेंद्र मोहन मिश्रा, व सिपाही दीपक यादव, विनय प्रताप यादव, रितेश सोनकर, बृजेश कन्नौजिया के साथ घेराबंदी की और वह जैसे ही दिखा उसे पुलिस टीम ने दबोच लिया। गिरफ्तार बदमाश पर जानलेवा हमला समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। उस पर पुलिस ने 10 हजार रुपये इनाम घोषित किया था। प्रभारी कोतवाल विपिन मलिक ने बताया कि बीते दिनों पोस्टमार्टम चौराहा पर एक व्यक्ति को घेर कर उसे बदमाश ने चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया था। पुलिस इसे तलाश रही थी, लेकिन यह हाथ नहीं लग रहा था।

जांच में सभी 1923 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव

देवरिया। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थम गई है। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग लगातार कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है। मास्क लगाने से लेकर शारीरिक दूरी का पालन करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग कोरोना की अधिक से अधिक जांच करा रहा है। जिला अस्पताल में बिना कोविड जांच के एक भी मरीज नहीं देखे जा रहे हैं। सीएचसी, पीएचसी पर भी मरीजों को कोविड टेस्ट के बाद ही डाक्टर देख रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता का ही असर है जिले में दस दिनों से एक भी कोरोना मरीज नहीं मिले हैं। मंगलवार को आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 1923 की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिले में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 20212 है। अभी तक 19994 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना से जिले में अभी तक 218 लोगों की मौतें हुई है। 24 घंटे में 2958 लोगों की सैंपलिग की गई। अभी तक कुल 821877 लोगों की सैपलिग कर जांच की जा चुकी है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि जिले में भले ही कोरोना संक्रमण समाप्त हो गया है लेकिन कोविड को लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है। कोविड नियमों का पालन हर हाल में करें। संक्रमण कहां से शुरू हो जाएगा नहीं कहा जा सकता है। यह महामारी है इससे बचाव जरूरी है।

10126 लोगों को लगाया गया कोरोनारोधी टीका

जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम करने के बाद अब विभाग उसे समाप्त करने पर तुला है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग अधिक से अधिक लोगों के कोरोनारोधी टीकाकरण पर जोर दे रहा है। शुरूआत में कोरोनारोधी टीका को लेकर जहां लोग अरुचि दिखाते थे, वहीं अब चारो तरफ जुगाड़ लगा रहे हैं कि किसी भी तरह से कोरोनारोधी टीका मुझे लग जाए। ऐसे में कोरोनारोधी लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं लेकिन सभी लोगों को टीका नहीं लग पा रहा है। मंगलवार को 63 केंद्रों पर 10126 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया।

जिले में कुल 10590 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक 6496 लोगों को प्रथम डोज व 484 को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 1621 को प्रथम व 662 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से उपर 548 को प्रथम डोज व 312 को द्वितीय डोज दिया गया। कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लोग स्लाट नहीं बुक कर पा रहे हैं। स्लाट खुलने व बंद होने का समय नहीं पता चल पा रहा है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ जा रही है।

सात दुकानों से लिया गया मिठाइयों का नमूना, खराब मिठाइयां नष्ट कराया

देवरिया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने दूषित व खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए मंगलवार को जिले में सघन अभियान चलाकर सात नमूने लिया। इस दौरान दुकानदारों मे खलबली मची रही। बेरिया घाट देवरिया में मिष्ठान भंडार से मिल्क केक का नमूना, परसा जंगल उसरा बाजार मिष्ठान भंडार से छेने की मिठाई का नमूना, मिष्ठान भंडार से छेने की मिठाई का नमूना, नाथ बाबा चौराहा रुद्रपुर स्थित मिष्ठान भंडार से छेने की मिठाई का नमूना एकत्रित किया गया। शहर में स्वीट हाउस से छेने की मिठाई का नमूना, मिठाई दुकान से बेसन का नमूना, कोतवाली रोड स्थित मिष्ठान भंडार से बर्फी का नमूना एकत्रित कर जांच के लिए भेजा गया। खुखुंदू एवं भरथुआ चौराहे पर खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर उनके यहां गंदगी देख नोटिस जारी किया गया तथा मिष्ठान भंडार, खुखुंदू में दूषित खाद्य पदार्थ मिले, 40 किग्रा रसगुल्ले को नष्ट कराया गया एवं भरथूआ चौराहे पर पप्पू तथा सुभाष की दुकान से रंगीन लड्डू कुल 10 किग्रा नष्ट कराया गया। टीम ने विक्रेताओं को चेतावनी दी कि रक्षाबंधन त्योहार पर केवल शुद्ध एवं सुरक्षित मिठाइयां ही विक्रय करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। खुखुंदू चौराहा में लोगों को अखाद्य रंग की मिठाइयों के दुष्प्रभाव एवं उससे होने वाली हानियों के बारे में भी जानकारी दी गई। फास्ट ट्रैक की ट्रेनिग के लिए सभी दुकानदारों को प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवेंद्र, संदीप कुमार श्रीवास्तव, रंजन श्रीवास्तव, डा. सुभेष कुमार, अजीत कुमार त्रिपाठी एवं मनीष मल्ल खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने कोरोनारोधी टीकाकरण का लिया जायजा

जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी का निरीक्षण किया। उन्होंने कोरोनारोधी टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी ली। डीएम ने कतार में खड़े लोगों से टीकाकरण के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि इस मामले में किसी कर्मचारी ने धन उगाही तो नहीं की। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी के साथ लेबर रूम, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष का निरीक्षण किया।

साफ–सफाई का निर्देश दिया। मरीज व डाक्टरों को सैनिटाइजर व मास्क का प्रयोग करने के लिए हिदायत दी। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में चल रहे चहारदीवारी निर्माण व सीसी रोड के बारे में जानकारी ली।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने सभी केंद्रों पर 610 टीका उपलब्ध होने की बात बताई। इस दौरान डा.सरोज शर्मा, सुमंत श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति में व्यक्तित्व निर्माण की सम्यक प्रक्रिया : प्रो. नजमा अख्तर

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति में प्रवर्तित लचीली शिक्षा व्यवस्था के कारण रोजगार एवं व्यावसायिक लाभ की पर्याप्त सम्भावनाएं हैं। इसमें उच्च गुणवत्ता की शिक्षण व्यवस्था पर विशेष बल है। शिक्षा केवल संपुष्टि करण और वितरण का उपक्रम मात्र नहीं है, अपितु यह व्यक्तित्व निर्माण की सम्यक प्रक्रिया है। उक्त विचार मंगलवार को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने व्यक्त की। वे ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में महाविद्यालय में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के उपक्रम श्संकाय विकास केंद्रश द्वारा श्मानविकी और समाज विज्ञान में शिक्षण और शोध में परिवर्तनशील प्रवृत्तियां और नवाचारश विषयक 15 दिवसीय ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम का उद्घाटन के उपरांत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आदि क्षेत्रों में तार्किकता, सकारात्मक समझ एवं व्यवसायिक लाभ होने के कारण इन अनुशासनों में अध्ययन–अध्यापन एवं शोध निरंतर प्रोत्साहित किए जाते हैं और भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान आदि जैसे विषय उपेक्षित एवं महत्वहीन समझे जाते हैं। जबकि मानवीय अनुभवों की समझ के लिए मानविकी विषयों एवं सामाजिक विषयगत दृष्टिकोण की समझ आवश्यक है। कुलपति ने कहा मानविकी विषयों की उपादेयता किसी भी देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, धन संपदा, सुरक्षा आदि के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्राचीन भारत में तक्षशिला एवं नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मानविकी एवं सामाजिक विषयों का गहन अध्ययन, अध्यापन प्रोत्साहित किया जाता था। कोविड–19 के कारण बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में हमने अति शीघ्रता से नई शैक्षणिक तकनीकों को ग्रहण किया है। जिसे देश में उच्च शिक्षा प्रणाली में बड़े परिवर्तनकारी सुधारों का प्रशस्त मार्ग के रूप में देखना चाहिए। महाविद्यालय के आई. क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ. अजय श्रीवास्तव ने कहा कि कोविड 19 के कारण बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में हम सभी ने विविध नवीन शैक्षणिक प्रविधियों का द्रुत स्वीकरण एवं अनुप्रयोग प्रारम्भ किया है। जिससे विद्यार्थियों और अध्यापकों के लिये यह डिजिटल, ऑनलाइन, ऑन एयर शिक्षा के लिये बहु–आयामी और बराबरी का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही यह संयुक्त राष्ट्र संघ के उच्च कोटि और समावेशी शिक्षा प्राप्ति के सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों की उपलब्धि का महत्वपूर्ण साधन भी बन सकती है। कार्यक्रम संयोजिका डॉ.अनुजा सलूजा ने कहा कि यह रिफ्रेशर कोर्स ज्ञान आधारित गुणवत्तापरक शैक्षणिक तकनीकी गत दक्षता एवं आत्म विकास की रिफ्रेशिंग है। आज हमें डिजिटल शैक्षणिक प्रविधियों को मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक संवेदनशीलता और व्यावसायिक नैतिकता के परिप्रेक्ष्य से भी संगत करना होगा। पुनश्चर्या कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जूम ऐप के माध्यम से विश्वविद्यालय, संघटक महाविद्यालयों के शिक्षकों, विद्वजनों, शोध छात्रों और देश–देशांतर के जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, पश्चिम बंगाल और असम सहित 17 से अधिक राज्यों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। संचालन डॉ. दिव्या पांडेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ.अनुजा सलूजा ने किया। कार्यक्रम के दौरान फैकल्टी डेवलपमेंट सेण्टर के असिस्टेंट कोआर्डिनेटर डॉ मनोज कुमार दुबे, को–कन्वीनर डॉ जमील अहमद, डॉ धीरज कुमार चौधरी, डॉ रचना सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक जुड़े रहे।

गोआश्रय स्थलों में दो ट्राली पराली देने पर किसान को एक ट्राली गोबर की खाद दी जायेंगी

बस्ती । गोआश्रय स्थलों में दो ट्राली पराली देने पर किसान को एक ट्राली गोबर की खाद दी जायेंगी। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 राजेश कुमार प्रजापति ने दी है। वे विकास भवन सभागार में आयोजित किसान दिवस में किसानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि खेत में पराली जलाने पर प्रतिबन्ध है। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर किसान को आर्थिक दण्ड भुगतना होगा। इस संबंध में मा0 उच्चतम न्यायालय तथा राष्ट्रीय हरित ट्रिब्युनल ने सख्त आदेश दिये है। उन्होने कहा कि पराली जलाने की सेटेलाइट से पिक्चर प्राप्त हो जाती है। उन्होने अपील किया कि कोई भी किसान धान कटाने के बाद खेत में आग न लगाये। खेत में आग लगाने से इसकी उर्वरा शक्ति कमजोर हो जाती है तथा धीरे–धीरे उत्पादन कम होने लगता है। उन्होने कहा कि किसानों को जैविक खेती करनी चाहिए। जैविक खेती से उत्पादित अन्न, फल एंव सब्जियों का दाम अधिक हो सकता है परन्तु मार्केट में इसकी पर्याप्त डिमाण्ड रहती है। उन्होने कहा कि जनपद की सभी कृषि उत्पादन मण्डियों को इस आशय का निर्देश दिया जा रहा है कि वे अलग से दुकान चिन्हित कर दे, जहॉ केवल जैविक खेती के उत्पाद बेचे जायेंगे। इस संबंध में प्रगतिशील किसान राममूर्ति मिश्रा ने सुझाव दिया था। उन्होने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों, नियमों के बारे में सभी बैंक शाखाओं में वैनर लगाने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि जो किसान अपनी फसल का बीमा नही कराना चाहते, वे अपने बैंक शाखा में जा कर लिखित रूप से अवगत करा दें। किसान दिवस में किसान हरिप्रसाद ने बताया कि उनके गॉव का नाम गलत हो जाने के कारण वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित हो गये है। साधू शरण यादव ने बताया कि इस योजना की पिछली सात किश्ते मिसमैच होने के कारण दूसरे के खाते में चली गयी है। दोनो किसानों ने इसको ठीक कराने का अनुरोध किया है। सीडीओ ने उप निदेशक कृषि तथा लीड बैंक मैनेजर को ऐसे सभी मामलों को प्राथमिकता पर निस्तारित कराने का निर्देश दिया है। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि किसान दिवस में प्राप्त अन्य शिकायतों को भी एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करके रिपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराये। किसान दिवस का संचालन उप निदेशक कृषि राम बचन राम ने किया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राममूर्ति मिश्रा, डीएन शुक्ला, विश्वनाथ चौधरी, आज्ञाराम वर्मा, राजेश कुमार, बाबूराम वर्मा, जयराम, योगेन्द्र सिंह, प्रेमचन्द्र पाठक, हरिप्रसाद, साधूशरण, परमानन्द सिंह, दुष्यन्त शुक्ला, दिनेश प्रताप सिंह, राधोमणि, मृदा प्रयोगशाला के अध्यक्ष इन्द्रजीत मिश्र, लीड बैंक मैनेजर अविनाश चन्द्रा, डॉ0 प्रेम शंकर, हरेन्द्र प्रसाद, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुशील मिश्र, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, नीरज कुमार श्रीवास्तव, विष्णुपाल, नन्देश कुमार गुप्ता, वेद प्रकाश सिंह उपस्थित रहें।

अनुप्रिया पटेल का राजधानी लखनऊ में हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में केंद्रीय मंत्री पद की शपत लेने के बाद पहला आगमन लखनऊ में अनुप्रिया पटेल केंद्रीय मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार व राष्ट्रीय अध्यक्षा अपना दल एस का स्वागत प्रथम लखनऊ आगमन पर किया गया एंव लखनऊ पहुचे कारागार मंत्री जय सिंह जैकी, आशीष पटेल एम एल सी, जिसमें सोनभद्र से सभी सम्मानित पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उक्त मौके पर अभिषेक कुमार चौबे राष्ट्रीय सचिव अपना दल (एस) विधि

मंच अधिवक्ता हाईकोर्ट के नेतृत्व में घोरावल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रहे धीरज चौबे ने अपने सैकड़ो साथियों के साथ अपना दल एस की सदस्यता ग्रहण की।इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बियार , जिला अध्यक्ष सत्य नारायण सिंह पटेल, अभिषेक चौबे,अरुण सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, रामपति पटेल जिलाउपाध्यक्ष,सुजीत पटेल, अंजली पटेल, आनन्द दयालु, सौरभ मौर्या, राजन सिंह, नवनीत सिंह पटेल, विवेक कुमार पाण्डेय, अमित श्रीवास्तव, पंकज सिंह, अनिल तिवारी, स्नेह लता पाण्डेय, अरुण पटेल, मान सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुल 09 नमूनें खाद्य विश्लेषक की प्रयोगशाला से जांच कराने हेतु संग्रहित किये गये

मऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ तथा जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल के निर्देशानुसार आगामी रक्षाबन्धन पर्व के अवसर पर मिठाईयां एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर0के0 दीक्षित के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न स्थानों पर मिलावट के संदेह में औचक छापेमारी करते हुये विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 09 नमूनें खाद्य विश्लेषक की प्रयोगशाला से जांच कराने हेतु संग्रहित किये गये। जिसमें गाजीपुर तिराहा, मऊ स्थित प्रतिष्ठान प्रसाद स्वीट्स एण्ड बेकर्स से कोकोनट पाउडर का नमूना, गाजीपुर तिराहा, मऊ स्थित प्रतिष्ठान प्रसाद स्वीट्स एण्ड बेकर्स से बूंदी का नमूना, सहादतपुरा, मऊ स्थित प्रतिष्ठान–अपना बाजार से बिस्कुट का नमूना, सहादतपुरा, मऊ स्थित प्रतिष्ठान–अपना बाजार से पापड़ का नमूना, रतनपुरा, मऊ स्थित झब्बर यादव के प्रतिष्ठान से छेना मिठाई का नमूना, रतनपुरा, मऊ स्थित रूपचन्द के प्रतिष्ठान से छेना मिठाई का नमूना, हलधरपुर, मऊ स्थित विष्णु मण्डल के प्रतिष्ठान से मिल्ककेक का नमूना, अदरी, मऊ स्थित प्रतिष्ठान–संदेश मिष्ठान भण्डार से पनीर का नमूना, अदरी, मऊ स्थित प्रतिष्ठान संदेश मिष्ठान भण्डार से छेना मिठाई का नमूना लिया गया संग्रहित किये गये उक्त नमूनों को वास्ते जांच राजकीय जन विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0, लखनऊ को प्रेषित कर दिया गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मिलावट पाये जाने पर सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरूद्ध, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जायेगी। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जयहिन्द राम, दिनेश कुमार राय, श्रीमती बिन्दु पाण्डेय व रामानन्द, उपस्थित रहे।

पंडित बिपिन तिवारी बने भाजपा युवा मोर्चा का मीडिया प्रभारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। करमा क्षेत्र के युवा संघर्षशील , सभी के सुख दुरूख में साथ खड़े रहने वाले होनहार समाजसेवी व भाजपा कार्यकर्ता पं. विपिन तिवारी को पार्टी नेतृत्व द्वारा भाजपा युवा मोर्चा काशी क्षेत्र का मीडिया प्रभारी बनाया गया है। श्री तिवारी को भाजयुमो का मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर आज बुधवार को उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए बताया कि शुरू से ही भाजपा हमारी पसंदीदा पार्टी रही है। बाद में जब मुझे राजनीति में आकर देश व देशवासियों की सेवा करने की इच्छा हुई तो मैंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर लिया जनता के स्नेह व आशीर्वाद से मुझे भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा में काशी क्षेत्र का मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। अब हमारी जिम्मेदारी पार्टी के लिए और बढ़ गयी है मैं पार्टी के हमेशा समर्पित रहूंगा। वहीं बिपिन तिवारी को भारतीय जनता युवा मोर्चा काशी क्षेत्र का मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्रीय लोगों हर्ष है।

जिला स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

जिलाधिकारी सहित पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी मामलों में प्रभावी कार्यवाही का दिया गया आश्वासन

कुशीनगर। पत्रकारों की जिला स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एस0 राजलिंगम ने की। बैठक में पत्रकारों की स्थायी समिति की पूर्व बैठक के कार्यवृत्ति की समीक्षा भी की गई। 2020 में पत्रकारों के उत्पीड़न संबंधित मामलों पर जिलाधिकारी ने समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने मृतक पत्रकार राधेश्याम शर्मा निवासी सिकटिया थाना, कोतवाली हाटा, कुशीनगर के हत्या प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के क्रम में संयुक्त मजिस्ट्रेट पूर्ण बोरा से अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें इस संदर्भ में शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। हाटा तहसील के दैनिक जागरण के पत्रकार बृजेश शुक्ल के पुत्र पर जानलेवा हमला हुआ और उसकी मौत भी हो गई इस संदर्भ में पुलिस कप्तान श्री सचिंद्र पटेल ने इस मुद्दे पर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। उक्त बैठक में पत्रकारों ने बताया कि प्रेस का पुलिस प्रशासन के साथ हमेशा सहयोग रहा है । उन्होंने बताया कि हम रचनात्मक सहयोग करते हैं विध्वंसक सहयोग नहीं। उक्त बैठक में पत्रकारों ने कई सारे मुद्दे उठाए जिसमें सोशल मीडिया के पत्रकारों की बाढ़, फर्जी पत्रकारों की समस्या, टोल टैक्स को पत्रकारों के लिए निरूशुल्क करने की बात तथा कुछ पत्रकारों के उत्पीड़न संबंधी मामले एवं सूचना संकुल भवन के लिए भूमि आवंटित करने संबंधी मांग की भी चर्चा की गई । जिलाधिकारी ने उक्त सभी मुद्दों को संज्ञान में लेते हुए भूमि आवंटन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। पत्रकारों ने टोल टैक्स पर निशुल्क आवाजाही के लिए जिलाधिकारी से व्यक्तिगत रूप से पहल करने की सिफारिश की, जिलाधिकारी ने इस संदर्भ को भी संज्ञान में लेने का आश्वासन दिया। पत्रकारों ने पुलिस कप्तान से बात करते हुए कहा कि सभी पत्रकारों का उचित सम्मान होना चाहिए, उनके बैठने की व्यवस्था सभी कार्यालयों में होनी चाहिए, चाहे किसी भी थाने कोतवाली का हो किसी भी जगह पर पत्रकार यदि अपना परिचय दें तो उन्हें उचित सम्मान प्राप्त होना ही चाहिए। उक्त बैठक में पत्रकारों की सूची का भी मुद्दा उठा और पत्रकारों की तरफ से भी इस संदर्भ में गाइडलाइन जारी करने के निर्देश दिए गए। पुलिस कप्तान ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा होगी उनका उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा , तथा पत्रकारों से मिलने के लिए 1:00 से 2:00 बजे तक का समय निर्धारित किया है और उन्होंने अपना नंबर 7467000666 देते हुए कहा कि इस पर आप व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी समस्याओं को रख सकते हैं। आपकी समस्याएं सुनी जाएगी और उस पर आवश्यक कार्यवाही भी की जाएगी। उक्त बैठक में प्रेस लिखी गाड़ीयों की भी चर्चा हुई। कई सारे लोग अपनी गाड़ियों पर प्रेस लिखकर उसका दुरुपयोग करते हैं और अपने आप को पत्रकार बता कर उसका दुरुपयोग करते हैं । बैठक में पुलिस कप्तान सचिन्द्र पटेल ने आश्वासन दिया कि किसी के ऊपर गलत कार्यवाही नहीं होगी और जो गलत करेगा उसे बख्शा भी नहीं जाएगा, बैठक में एक पत्रकार के कोरोनावायरस से मृत्यु का भी मुद्दा उठा इस पर भी जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि एक आवेदन दे दिया जाए आवेदन पर विचार किया जाएगा । पत्रकार लोगों के द्वारा बैठक के अंत में जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा जिला सूचना कार्यालय की कार्यप्रणाली की भी सराहना की गई । उक्त बैठक में समिति के सदस्य सुभाषचंद्र श्रीवास्तव, मिथिलेश्वर पांडेय, राजेश दुबे(राजू), अभय मिश्रा, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम प्रकाश द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी कृष्ण कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीआरसी म्योरपुर में चार दिवसीय प्रशिक्षण हुआ प्रारम्भ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। बुधवार को म्योरपुर ब्लाक संसाधन केंद्र देवरी में

वेलनेस एम्बेसडर का चार दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ।प्रशिक्षण में प्रत्येक उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापको को बच्चों के शारिरिक, मानसिक व सामाजिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षा विभाग से प्रशिक्षक के तौर पर एआरपी रजनीश श्रीवास्तव ने बच्चों के अन्दर मानवीय, नैतिक, भौतिक व आध्यात्मिक मूल्य को विकसित करने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग म्योरपुर से प्रशिक्षक डॉ आत्मा प्रकाश शील ने बालक बालिकाओं के शारिरिक व मानसिक बदलाव के दौरान उनकी काउंसिलिंग व सही सुझाव, साफ सफाई पर ध्यान देने हेतु प्रेरित करने को कहा।प्रशिक्षण में बीईओ म्योरपुर सुरेंद्र प्रताप सहाय ने स्वास्थ्य विभाग का आभार जताते हुये प्रशिक्षण को पूर्ण करने व विद्यालयों में लागू करने की बात कही।इस अवसर पर राममूर्ति ,अबुल कैश, महेंद्र प्रताप,जाहिद हुसैन, अवनी कुमार, अजय कुमार गुप्ता बसन्ती रॉय, रेनू समेत तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

भारतीय खिलाड़ियों का पहला दल तोक्यो पैरालम्पिक के लिये रवाना

नयी दिल्ली। भारतीय दल को विदाई देने इंदिरा गांधी

खिलाड़ियों का पहला दल बुधवार को तोक्यो पैरालम्पिक के लिये रवाना हो गया जिसमें भारत के ध्वजवाहक मरियाप्पन थंगावेलु भी शामिल है। आठ सदस्यीय दल में शामिल है। पीसीआई अध्यक्ष दीपा मलिक ने इस मौके पर कहा ,'' पूरा देश , माननीय प्रधानमंत्री और खेलमंत्री आज हमारी हौसलाअफजाई कर रहे हैं। पैरालम्पिक जा रहा हर खिलाड़ी पहले ही से विजेता है। मैं उन्हें शुभकामना देती हूं।'' व्हीलचेयर पर जा रहे खिलाड़ियों को पहली बार स्वयम इंडिया ने विशेष वाहन मुहैया करायेजिससे उनका आवागमन आसान हो गया। इसे रेवाड़ी से आये टेक चंद और नोएडा से आई मलिक ने इस्तेमाल किया। भारत का दूसरा दल बुधवार की शाम को रवाना होगा जिसमें पीसीआई अध्यक्ष समेत 14 लोग हैं। पैरालम्पिक 24 अगस्त से शुरू होंगे और भारत 25 अगस्त को अपने अभियान का आगाज करेगा।

चंद और विनोद कुमार भी इस दल में शामिल थे। ी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय पैरालम्पिक समिति के अधिकारी मौजूद थे।

मरियाप्पन के अलावा टेक

तालिबान समर्थक इमरान सरकार ने खूंखार आतंकवादी मुल्ला मोहम्मद रसूल को किया रिहा

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबानियों की वापसी का पाकिस्तान

की इमरान खान सरकार ने समर्थन किया था और अब तालिबानियों को खुश करने के लिए एक आतंकवादी को रिहा कर दिया है। बता दें कि पाकिस्तान ने तालिबान के मुल्ला मोहम्मद रसूल को रिहा कर दिया है। पिछले पांच सालों से मुल्ला मोहम्मद रसूल पाकिस्तान की जेल में कैद था लेकिन अब उसे आजाद कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान से अलग होने के बाद मुल्ला मोहम्मद रसूल ने अपना अलग संगठन बना लिया था। जिसके बाद पाकिस्तान सरकार ने उसे हिरासत में ले लिया। वहीं दूसरी तरफ अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद आतंकवादियों की मौज हो गई है। पिछले एक सप्ताह में तालिबानियों ने 2,300 आतंकवादियों को रिहा कर दिया है। इन आतंकवादियों को काबुल, कंधार और बगराम जेल से रिहाई मिली है और अब पाकिस्तान भी तालिबान के समर्थकों को रिहा कर रहा है। गौरतलब है कि इमरान खान तालिबान द्वारा काबुल पर नियंत्रण किए जाने का समर्थन करते हुए दिखे और उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया है। अफगानिस्तान में लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष रविवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब तालिबान ने काबुल में प्रवेश किया और राष्ट्रपति के महल पर कब्जा कर लिया।

जनसमस्याओं को लेकर पूर्व विधायक ने किया सड़क जाम

जनसमस्याओं को लेकर पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव ने बुधवार को रामजानकी मार्ग पर बरेजी पुल पर जनसमस्याओं को लेकर जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक आवागमन ठप रहा। तहसीलदार सतीश कुमार मौके पर पहुंच ज्ञापन लिया। जिसके बाद जाम समाप्त हुआ। पूर्व विधायक यादव ने बरेजी पुल पर एप्रोच मार्ग बनाने, सतरांव मार्ग के मरम्मत करने, विद्युत तार बदलने, कपरवार रुद्रपुर, करुवना मार्ग बनाने, मोहन सिंह सेतु का कार्य जल्द पूर्ण करने की मांग को लेकर जाम कर धरना दिए। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र के जनहित के कार्यों को कराने में विफल रही है। रमाशंकर गुप्त, जय प्रकाश सिंह, हरेराम चौधरी, रवींद्र रावत, गुलाब,लक्ष्मी रावत आदि मौजूद रहे।

अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा, महिलाओं के लिए 20 साल की प्रगति रातों–रात गायब हुई

अजदाह राज मोहम्मद, पीएचडी छात्र, मेलबर्न विश्वविद्यालय और जेना सैपियानो, लेक्चरर, मोनाश जेंडर पीस एंड सिक्योरिटी सेंटर, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न। (द कन्वरसेशन) तालिबान जैसे जैसे अफगानिस्तान पर अपनी पकड़ मजबूत करता जा रहा है, देश एक बार फिर महिलाओं के लिए एक बेहद खतरनाक जगह में तब्दील होता जा रहा है। रविवार को काबुल के पतन से पहले ही, स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी, सभी विदेशी सैन्य कर्मियों की नियोजित वापसी और अंतरराष्ट्रीय सहायता में गिरावट के कारण स्थिति और खराब हो गई थी। पिछले कुछ हफ्तों में ही, हिंसा और उनमें हताहत होने वालों की कई खबरें आई हैं। इस बीच, सैकड़ों हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर भाग गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी का कहना है कि मई के अंत से जो लोग भाग गए हैं उनमें से लगभग 80: महिलाएं और बच्चे हैं। तालिबान की वापसी महिलाओं और लड़कियों के लिए क्या मायने रखती है? तालिबान का इतिहास इस्लामिक कानून की सख्त व्याख्या के बाद कठोर परिस्थितियों और नियमों को लागू करते हुए तालिबान ने 1996 में अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया था। उनके शासन में, महिलाओं को खुद को ढंकना होता था और उन्हें किसी पुरुष संरक्षक के साथ ही घर से बाहर जाने की इजाजत थी।

तालिबान ने लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के घर से बाहर काम करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया। उन्हें वोट देने पर भी रोक लगा दी गई थी। महिलाओं को इन नियमों का उल्लंघन करने पर क्रूर दंड दिया जाता था, जिसमें व्यभिचार का दोषी पाए जाने पर पीटना, कोड़े मारना और संगसार अर्थात पत्थर मारकर हत्या करना शामिल था। उस समय अफगानिस्तान में दुनिया में सबसे ज्यादा मातृ मृत्यु दर थी। पिछले 20 साल 2001 में तालिबान के पतन के साथ, महिलाओं और बहुत संदेह से देख रहे हैं।

लड़कियों की स्थिति में काफी सुधार हुआ, हालांकि ये लाभ आंशिक और नाजुक थे। महिलाएं अब राजदूत, मंत्री, राज्यपाल और पुलिस और सुरक्षा बल के सदस्यों के रूप में पदों पर हैं। 2003 में, नई सरकार ने महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन की पुष्टि की, जिसके लिए राज्यों से अपने स्थानीय कानून में लैंगिक समानता को शामिल करने के लिए कहा गया। 2004 के अफगान संविधान में कहा गया है कि ''अफगानिस्तान के नागरिकों, पुरुष और महिला, के कानून के समक्ष समान अधिकार और कर्तव्य हैं''।

इस बीच, महिलाओं को जबरन और कम उम्र में शादी और हिंसा से बचाने के लिए 2009 का एक कानून पेश किया गया। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, कानून के बाद महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसक अपराधों की सूचना देने, जांच और कुछ हद तक दोषसिद्धि में वृद्धि देखी गई। एक समय देश में स्कूलों में लड़कियों की संख्या लगभग नहीं के बराबर थी, जो आज हजारों में है, प्रगति धीमी और अस्थिर रही है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार 37 लाख अफगान बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं, जिनमें से लगभग 60: लड़कियां हैं। काले दिनों की वापसी तालिबान नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि वे महिलाओं के अधिकारों को ''इस्लाम के अनुसार'' देना चाहते हैं। लेकिन अफगानिस्तान में महिला नेताओं सहित, सभी इसे दरअसल, तालिबान ने हर संकेत दिया है कि वे अपने दमनकारी शासन को फिर से लागू करेंगे। जुलाई में, संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि वर्ष के पहले छह महीनों में मारी गई और घायल महिलाओं और लड़कियों की संख्या एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई। तालिबान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में फिर से लड़कियों के स्कूल जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और उनकी आवाजाही की स्वतंत्रता प्रतिबंधित कर दी गई है। जबरन शादी करने की भी खबरें आई हैं। महिलाएं फिर से बुर्का पहन रही हैं और तालिबान से खुद को बचाने के लिए अपनी शिक्षा और घर से बाहर के जीवन के सबूत नष्ट करने की बात कर रही हैं। जैसा कि एक गुमनाम अफगान महिला द गार्जियन में लिखती हैरू ''मुझे उम्मीद नहीं थी कि हम फिर से अपने सभी मूल अधिकारों से वंचित हो जाएंगे और 20 साल पीछे चले जाएंगे।

अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए 20 साल तक संघर्ष करने के बाद अब हम एक बार फिर बुर्के और अपनी पहचान छिपाने के उपाय ढूंढ रहे हैं। कई अफगान तालिबान की वापसी से नाराज हैं और उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया हैं। सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। अवज्ञा के दुर्लभ प्रदर्शन में महिलाओं ने बंदूकें भी उठा ली हैं। लेकिन महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए सिर्फ इतना ही काफी नहीं होगा।

दुनिया दूसरी तरह देखती है वर्तमान में, अमेरिका और उसके सहयोगी अपने नागरिकों और कर्मचारियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने के लिए व्यापक बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। लेकिन अफगान नागरिकों और उनके भविष्य का क्या? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन तालिबान की प्रगति और बिगड़ते मानवीय संकट से काफी हद तक अप्रभावित हैं। 14 अगस्त के एक बयान में, उन्होंने कहारू ''दूसरे देश के नागरिक संघर्ष में एक अंतहीन अमेरिकी उपस्थिति मुझे स्वीकार्य नहीं थी।'' ऐसा तब है जब कि अमेरिका और उसके सहयोगी – ऑस्ट्रेलिया सहित – तालिबान को हटाने और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के नाम पर 20 साल पहले अफगानिस्तान गए थे।

हालांकि, अधिकांश अफगान यह नहीं मानते कि उन्होंने अपने जीवनकाल में शांति का अनुभव किया है। जैसा कि तालिबान ने देश पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित किया है, यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एक बार फिर से अफगानिस्तान को छोड़ देता है तो पिछले 20 वर्षों की उपलब्धियां, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों और समानता की रक्षा के लिए की गई उपलब्धियां, जोखिम में हैं तालिबान के आगे बढ़ने पर महिलाएं और लड़कियां मदद की गुहार लगा रही हैं। हमें उम्मीद है कि दुनिया सुनेगी।

जूनियर कुश्ती : सिमरन और बिपाशा सेमीफाइनल में, यश कांस्य पदक के मुकाबले में पहुचे

उफा (रूस)। भारत की युवा पहलवान सिमरन ने जूनियर

विश्व चौम्पियनशिप में महिलाओं के 50 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि बिपाशा (76 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई। सिमरन ने रोमानिया की जॉर्जियाना लाविनिया एंटुका को तकनीकी कौशल के आधार पर हराया। इसके बाद अजरबैजान की गुलताकिन शिरिनोवा को क्वार्टर फाइनल में चित कर दिया। बिपाशा ने कजाखस्तान की दिलनाज मुल्किनोवा को 6 . 3 से मात दी। सीतो (55 किलो), कुसुम (59 किलो) और आरजू (68 किलो) को हालांकि क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा। इस बीच पुरूषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में यश (74 किलो) ने आर्मेनिया के अर्मेन मुसिकयां को 9 . 2 से मात देकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई। पृथ्वीराज पाटिल (92 किलो) और अनिरूद्ध (125 किलो) भी कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंच गएजिन्होंने क्रमशरू उजबेकिस्तान के मुहम्मदरसूल रखिमोव और हंगरी के साबा उबोर्नयाक को मात दी।

भारतीय टीम मिक्स्ड रिले के फाइनल में पहुंची, बनाया नया रिकॉर्ड

नैरोबी। भारतीय चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम अपनी

हीट में शीर्ष रहकर बुधवार को अंडर 20 विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गई। भारतीय टीम में अब्दुल रज्जाक, प्रिया मोहन, सम्मी और कपिल शामिल थे। भारतीय टीम चौम्पियनशिप की रिकार्ड टाइमिंग 3 रू 23 . 36 के साथ कुल दूसरे स्थान पर रही। यह रिकॉर्ड हालांकि ज्यादा देर भारत के नाम नहीं रहा और नाइजीरिया ने दूसरी हीट में 3 रू 21 . 66 के टाइमिंग के साथ इसे तोड़ दिया। अब तक अंडर 20 विश्व चौम्पियनशिप से भारत के लिये सीमा अंतिल (चक्काफेंक, 2002), नवजीत कौर ढिल्लों (चक्काफेंक, 2014), ओलंपिक चौम्पियन नीरज चोपड़ा (भालाफेंक, 2016), हीमा दास (400 मीटर ,2018) ने पदक जीते हैं।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

महिलाओं की आजादी पर पूछा यह सवाल तो हंसने लगे तालिबानी! कहा– बंद करो कैमरा, देखें वीडियो

केवल कुछ ही दिनों में तालिबानियों ने अफगानिस्तान पर अपना कब्जा जमा लिया है। जो बाइडेन के इस फैसले के बाद से अफगानिस्तान का दोबारा से एक ऐसा चेहरा देखने को मिल रहा है जहां महिलाए फिर से डरी और सहमी से रहेंगी। अफगानिस्तान में हो रही हलचल के बीच एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक महिला रिपोर्टर तालिबानियों से सवाल–जवाब कर रही है और महिला रिपोर्टर के एक सवाल से तालिबानी अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे है। जी हां, एक खबर के मुताबिक यह वीडियो काफी पुराना है जो कि अब काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में महिला रिपोर्टर ने तालिबानियों से सवाल किया

कि क्या महिलाओं को राजनिति में आने और उन्हें वोट करने के लिए अफगानी आगे आएंगे? क्या अफगानिस्तान में महिलाओं को चुनाव लड़ने की आजादी होगी? इस सवाल के जवाब में तालिबानी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और काफी तेजी से हंसने लगे और कैमरा सामने से हटाने को कहा। इस सवाल को गंभीरता न देते हुए तालिबानियों ने इसे मजाक में लिया और हंसने लगे। यह वीडियो काफी पुराना है जब तालिबानियों ने साल 1996 से लेकर 2001 तक अफगानिस्तान पर राज किया था। महिलाओं का चुनाव लड़ने वाले सवाल पर तालिबानियों की हंसी यह बताती है कि उन्होंने इस बात को एक मजाक में लिया। यह एक डॉक्यूमेंट्री के एक एपिसोड की छोटी सी क्लिप है जो अब काफी वायरल हो रही है।

15 अगस्त को तालिबानियों का पूरा कब्जा तब हुआ जह उन्होंने काबुल में अपने पैर जमाए। बता दें कि मंगलवार को मीडिया में पहली बार सामने आए तालिबानी नेता ने कहा कि, महिलाओं को इस्लामी कानून के तहत पूरी स्वतंत्रता होगी। अब वह अपने फैसले पर कितना कायम होते है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

अफगानिस्तान के जलालाबाद में तालिबानियों के बरसाईं गोलियां, तितर–बितर हो गए प्रदर्शनकारी

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफरातफरी का माहौल है। इसी बीच जलालाबाद में बुधवार को तालिबान विरोधी प्रदर्शन हुए। जिन्हें तितर बितर करने के लिए तालिबानियों ने ओपन फायरिंग शुरू कर दी। थोड़ी देर में ही अफगानी लोग प्रदर्शनस्थल से गायब हो गए। दरअसल, अफगानी लोग वहां के झंडे को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, तभी तालिबानी चरमपंथियों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। वहीं, तालिबानी चरमपंथियों ने प्रदर्शनकारियों की स्टोरी कवर कर रहे मीडियाकर्मियों को भी पीटा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो में सैकड़ों लोगों को अफगानिस्तान का झंडा लेकर मार्च निकालते देखा जा सकता है। आपको बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान का भी नाम बदल दिया है। जिसके बाद इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान नाम हो गया। वहीं तालिबान खुद को पहले के तालिबान से अलग बता रहा है। नये अफगानिस्तान को शरीयत कानून के तहत चलाया जाना है। गौरतलब है कि तालिबान के काबुल में एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी नकदी लेकर भाग गए। वहीं, हर मुल्क अपने लोगों को वहां से निकालने की कोशिशें कर रहा है। भारत भी अपने लोगों को निकालने के लिए आपातकालीन ऑपरेशन चला रही है।

इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानों की आर्थिक मदद के लिए वार्ता करते रहने की अपील की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनका देश अफगानिस्तान में मौजूदा संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सभी अफगान नेताओं से संपर्क कर रहा है। खान ने विश्व समुदाय से वार्ता जारी रखने की अपील की, खासकर, लोगों की मदद के लिए, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था युद्ध में तबाह हो गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि खान को जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल का टेलीफोन कॉल आया था और दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में तेजी से बदलती स्थिति पर विचारों का आदान–प्रदान किया। खान ने मर्केल से कहा, " पाकिस्तान सभी अफगान नेताओं से संपर्क कर रहा है।'' प्रधानमंत्री ने मर्केल से कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वार्ता करती रहनी चाहिए, खासकर, अफगानिस्तान के लोगों की आर्थिक तौर पर मदद

के लिए। बयान के मुताबिक, खान ने पाकिस्तान और क्षेत्र के लिए शांतिपूर्ण और स्थिर अफगानिस्तान के अत्यधिक महत्व को भी रेखांकित किया और इस बात पर बल देते हुए कहा कि सभी अफगानों की सुरक्षा के साथ–साथ अधिकारों की सुरक्षा अत्यंत अहम है। खान ने रेखांकित किया कि एक समावेशी राजनीतिक समझौता अफगान संकट को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान से अंतरराष्ट्रीय संगठनों के राजनयिक कर्मियों और कर्मचारियों को निकालने में मदद कर रहा है। मर्केल तीसरी यूरोपीय नेता थी जिन्होंने अफगान संकट पर चर्चा के लिए खान को फोन किया था। इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जोनसन और डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने भी खान को फोन किया था और दोनों कॉल की तवज्जो अफगानिस्तान की स्थिति पर थी।

जानिए कैसे की जाती है बैटल रोप एक्सरसाइज और इससे जुड़ी कुछ खास बातें

बैटल रोप एक तरह की कार्डियो एक्सरसाइज है जिसे रस्सियों की मदद से किया जाता है। बैटल रोप एक्सरसाइज में इस्तेमाल की जाने वाली रस्सी 30 मीटर लंबी और 1.5 इंच चौड़ी से लेकर 100 मीटर लंबी और 2.5 मीटर तक चौड़ी होती है। अगर आप रोजाना इस एक्सरसाइज को करते हैं तो इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए आज आपको इस एक्सरसाइज को करने का तरीका और इससे जुड़ी कुछ अहम बातें बताते हैं।

बैटल रोप एक्सरसाइज करने का तरीकाः सबसे पहले जमीन पर एडियों के बल खड़े हो जाएं। इसके बाद रस्सी के दोनों सिरों को दोनों हाथों में पकड़ें। अब अपने शरीर को आगे की ओर थोड़ा झुकाएं और ध्यान रखें कि शरीर पीछे की ओर जरा सा भी न झुके। इसके बाद रस्सियों को उछालकर इनसे टेढ़ी–मेढ़ी तरंगें (5द्बद्द 5ड्डद्द 2ड्ड1द्गह्य) बनाएं। धीरे–धीरे रस्सी उछालने की गति बढ़ाएं और तेजी से बैटल रोप करें। कुछ मिनट इस एक्सरसाइज को लगातार करके बंद कर दें।

सावधानियांः एक्सरसाइज के दौरान जरूर बरतें ये सावधानियां

इस एक्सरसाइज को करने से पहले कुछ मिनट ठीक ढंग से वार्मअप जरूर करें। शुरूआत में बैटल रोप एक्सरसाइज को एक जिम ट्रेनर के सामने करें। अगर आपको हाथ–पैर, पीठ या फिर सीने में दर्द है तो इस एक्सरसाइज को करने से बचें। अपनी क्षमता से अधिक वजन की रस्सी न उठाएं। गर्भवती महिलाओं को भी यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। अगर आप अर्थराइटिस से ग्रस्त हैं तो भी इस एक्सरसाइज को न करें।

फायदेः रोजाना बैटल रोप एक्सरसाइज करने के फायदे

इस एक्सरसाइज का शरीर की हृदय वाहिनियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह एक्सरसाइज शरीर में जमे अतिरिक्त वसा को कम करने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज शरीर की सभी मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का पॉश्चर ठीक करने में भी मदद मिलती है। इस एक्सरसाइज से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और इससे शरीर में लचीलापन भी आता है। यह एक्सरसाइज एक बेहतरीन एनर्जी बूस्टर है।

एक्सरसाइज से जुड़ी महत्वपूर्ण टिप्स

इस एक्सरसाइज को करते समय रस्सी के सिरों को अच्छी तरह से और एकदम टाइट पकड़ें। एक्सरसाइज के दौरान रस्सी से तरंग बनाने के लिए बाहों की बजाय कंधों का अधिक इस्तेमाल करें। बैटल रोप का अभ्यास करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने सिर और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें। एक्सरसाइज के दौरान अपनी गर्दन को जकड़ें नहीं, बल्कि इसे सामान्य रखें।

बिग बॉस 15 के ओटीटी संस्करण से बाहर होने वाली पहली प्रतिभागी बनीं उर्फी जावेद

टीवी शो बिग बॉस की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। यह शो अपने विवादों और गॉशिप के लिए जाना जाता है। बिग बॉस

15 का डिजिटल संस्करण स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वूट पर शुरू हो चुका है। इस बीच शो के प्रतिभागियों के बीच बहुत खींचतान देखने को मिली है। ओटीटी पर शो को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अब जानकारी सामने आ रही है कि बिग बॉस 15 के ओटीटी संस्करण से प्रतिभागी उर्फी जावेद बाहर हो गई हैं। उर्फी बिग बॉस 15 के डिजिटल संस्करण से बाहर होने वाली पहली प्रतिभागी बन गई हैं। शो में जिन तीन लोगों को पहले राउंड में एलिमिनेट होने के लिए नॉमिनेट किया गया था उनमें राकेश बापट, शमिता शेट्टी और उर्फी का नाम शामिल था। करण जौहर ने तीनों प्रतिभागियों से उनके परफॉर्मेंस के बारे में पूछा था, जिस पर वे नर्वस दिखे। रविवार को उर्फी को शो से बाहर होना पड़ा। यह बिग बॉस 15 का पहला एलिमिनेशन राउंड था। शो के होस्ट करण द्वारा उर्फी के एलिमिनेशन की घोषणा करते ही वह काफी भावुक हो गई थीं। उन्होंने अपनी हार का जिम्मेदार जीशान खान को बताया है। उनका मानना था कि वह शो में अकेली पड़ गईं और उनका साथ देने वाला कोई नहीं था। करण ने इस मौके पर उर्फी को ढांढस बंधाया और उन्हें उत्साहित किया। पहले ही राउंड में उर्फी के बाहर होने से उनके फैंस का दिल जरूर टूट गया होगा। करण ने शो में राकेश और शमिता समेत अन्य प्रतिभागियों को आगाह करते हुए कहा कि वे सभी अपनी गेम पर फोकस करें। उर्फी के बाहर होने के बाद अब अक्षरा सिंह, नेहा भसीन, राकेश बापट, जीशान खान, रिधिमा पंडित, करण नाथ, दिव्या अग्रवाल, प्रतीक सहजपाल, निशांत भट्ट, मुस्कान जट्टाना और मिलिंद गाबा के बीच मुकाबला है। उर्फी ने बड़े भैया की दुल्हनिया, बेपनाह और कसौटी जिंदगी के जैसे शोज में काम किया है।

टाइगर 3 की शूटिंग के लिए जल्दी रूस रवाना होंगे सलमान और कैटरीना

सलमान खान और कैटरीना कैफ पिछले काफी समय से फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और हो भी क्यों ना, इस फ्रेंचाइजी की पिछली दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल जो मचाया है। अब दोनों जल्द ही अंतरराष्ट्रीय चरण की शूटिंग के लिए रूस रवाना होंगे। फिल्म को बड़े स्तर पर शूट करने की योजना बनाई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक सलमान और कैटरीना टाइगर 3 की शूटिंग के लिए 18 अगस्त को रूस जाएंगे, जहां फिल्म का करीब 45 दिनों का शेड्यूल रहेग। रूस के अलावा सलमान–कैटरीना कुल पांच अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में फिल्म की शूटिंग करेंगे, जिसमें ऑस्ट्रिया और तुर्की शामिल है। कोरोना महामारी को देखते हुए और यशराज फिल्म्स ने सुरक्षा का खास ख्याल रखा है और इसलिए वह अपनी टीम को एक जंबो चार्टर के माध्यम से रूस लेकर जाएंगे ।

निर्देशक मनीष शर्मा इस शेड्यूल के लिए पिछले कुछ महीनों से तैयारी कर रहे थे, वहीं, आदित्य चोपड़ा चाहते थे कि टाइगर 3 का अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल बिना किसी रुकावट के पूरा हो। सूत्र ने आगे बताया कि इस शेड्यूल के लिए सलमान और कैटरीना सबसे पहले रूस में खतरनाक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे, जो पहले कभी नहीं देखे होंगे। उसके बाद वे तुर्की और ऑस्ट्रिया रवाना होंगे। फिल्म में कई आकर्षक विजुअल्स भी देखने को मिलेंगे।

टाइगर फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए थे। इस फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया था। इसके बाद 2017 में फिल्म टाइगर जिंदा है रिलीज हुई थी। यह भी सुपरहिट हुई थी। टाइगर 3 इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। पहली दो फिल्मों की तर्ज पर उम्मीद है कि यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करेगी। यह बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बनने जा रही है।

सलमान फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में पूजा हेगड़े के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। वह फिल्म पठान का भी हिस्सा हैं। सलमान रेस 4 में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकते हैं। दूसरी तरफ कैटरीना, अक्षय कुमार के साथ फिल्म सूर्यवंशी में नजर आएंगी। वह फोन भूत में काम कर रही हैं। कैटरीना निर्देशक जोया अख्तर की अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा में हैं। वह साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति अभिनीत फिल्म मैरी क्रिसमस से भी जुड़ी हैं।

वेब सीरीज में शाहिद कूपर के साथ नजर आएंगे विजय सेतुपति

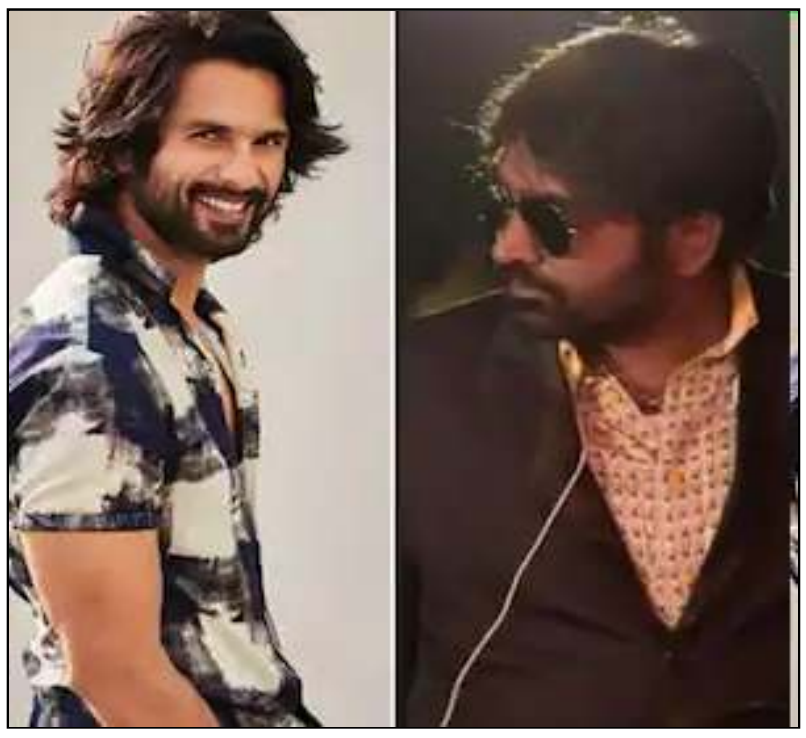

विजय सेतुपति दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार माने जाते हैं। सेतुपति को बड़ी संख्या में पूरे देश में प्रशंसक पसंद करते हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर के साथ अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज में नजर आएंगे। वह राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की सीरीज में दिखेंगे। राज और डीके ने इस संबंध में रविवार को पुष्टि की है कि उनके इस प्रोजेक्ट का हिस्सा सेतुपति बन गए हैं।

इस प्रोजेक्ट के लीड कलाकार शाहिद ने भी सोशल मीडिया पर सेतुपति के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। शाहिद इस अनटाइटल वेब सीरीज से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाले हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, सेट पर प्रतीक्षा कर रहा हूं। एक्टर सेतुपति के साथ फ्रेम साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। राशि खन्ना, मुझे सेट पर आपके साथ रहने की आदत हो गई है।

इस सीरीज में अभिनेत्री राशि भी नजर आएंगी। राशि ने इससे पहले सेतुपति के साथ दो प्रोजेक्ट में साथ काम किया है। राशि ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता सेतुपति के साथ संगतमिजान में काम किया है। वह उनके साथ आगामी प्रोजेक्ट तुगलक दरबार में भी नजर आएंगी। राशि ने भी सेट पर सेतुपति का स्वागत किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, मैं तीसरी बार अपने पसंदीदा अभिनेता के साथ काम कर रही हूं, इस बार हिन्दी में।

राज और डीके ने भी सोशल मीडिया पर सेतुपति के साथ अपनी तस्वीर साझा करके खुशी व्यक्त की है। इस तस्वीर में सेतुपति राज और डीके के बीच में बैठे दिखे हैं। सेतुपति राज और डीके के साथ खुशनुमा मूड में नजर आए हैं। यह एक थ्रिलर सीरीज होगी, जिसे राज और डीके द्वारा बनाया जाएगा। इस सीरीज का प्रसारण डिजिटल प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए शाहिद मेकर्स की पहली पसंद थे।

हाल में रिलीज हुई अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 को लेकर राज और डीके लाइम लाइट में हैं। इस सीरीज में दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में दिखे थे। द फैमिली मैन 2 ने सफलता के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस सीरीज को सीता आर मेनन, सुमन कुमार और हुसैन दलाल ने मिलकर लिखा है। सीरीज के पहले भाग द फैमिली मैन को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

वायरल फीवर से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं ये चीजें

मौसम में बदलाव होते ही कई लोग वायरल फीवर यानि मौसमी बुखार की चपेट में आ जाते हैं। यह बुखार कई तरह के संक्रमण की वजह से होता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अटैक करता है जिसकी वजह से शरीर में इंफेक्शन बहुत तेजी से बढ़ता है। हालांकि कुछ चीजों का सेवन आपको इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताते हैं।

धनिये की चाय का करें सेवन

वायरल फीवर से राहत दिलाने में धनिये की चाय का सेवन काफी हद तक कारगर हो सकता है। धनिये के बीज एंटीबायोटिक्स के साथ–साथ कई विटामिन्स से समृद्ध होते हैं जो वायरल संक्रमण से लडने की शक्ति देने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में सहायक हो सकते हैं। राहत के लिए एक गिलास पानी में एक बड़ी चम्मच धनिये के बीज डालकर इसे उबाल लें। अब इसे छानकर इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं और फिर इसका सेवन करें।

तुलसी का काढ़ा पीएं

तुलसी के पत्ते भी प्रभावी ढंग से वायरल फीवर से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए आधी चम्मच लौंग के पाउडर को करीब 20 साफ तुलसी के पत्तों के साथ एक लीटर पानी में डालकर उबाल लें और फिर छानकर इसका सेवन करें। वायरल फीवर होने पर इस काढ़े का हर दो या तीन घंटे पर सेवन करें। यकीनन इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

लहसुन का करें सेवन

लहसुन एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध होता है जो धीरे–धीरे वायरल फीवर को खत्म करने का काम करते हैं। इसके साथ ही ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करने में भी मदद करते हैं। राहत के लिए एक कप पानी में लहसुन की बारीक कटे हुई दो–तीन कलियां डालें और कुछ मिनट तक पानी को उबलने दें। अब पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने पर चाय की तरह पीएं।

हल्दी और सौंठ का पाउडर आएगा काम

हल्दी और सौंठ, दोनों में एंटी–ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं जो वायरल फीवर को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक कप गर्म पानी में एक चुटकी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच हल्दी का पाउडर, एक छोटी चम्मच सौंठ और थोड़ी सी चीनी मिलाएं और फिर इसे हल्का सा ठंडा करके पीएं। यकीनन वायरल फीवर से ग्रस्त व्यक्ति को इसके सेवन से काफी आराम मिलेगा।